वर्ष : 17 ❖ अंक : 135 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
सोमवार, 19 दिसम्बर 2022

हम पूर्वोत्तर में 'विवादों के बॉर्डर' नहीं, विकास का कॉरिडोर बना रहे : पीएम मोदी 8

चीनी अतिक्रमण पर क्या छुपा रहे हैं पीएम : जयराम रमेश 3

रिवर्स गियर में चल रही है राज्य सरकार : चामलिंग

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 18 दिसम्बर । एसडीएफ अध्यक्ष तथा पूर्व मुख्यमंत्री पवन चामलिंग ने अपने दावों को दोहराते हुए कहा है कि एसकेएम सरकार भ्रष्टाचार और पर्यावरण विरोधी गतिविधियों में गहराई तक लिप्त है। उनका कहना है कि एसकेएम सरकार वह कर रही है जो उन्हें नहीं करना चाहिए था। पवन चामलिंग ने अपने साप्ताहिक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में पूछे गए सवाल के जवाब में ये बातें कहीं। उनसे राज्य में बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई और भ्रष्टाचार के बारे में सवाल किया गया था।

सवाल के जवाब में पवन चामलिंग ने कहा कि सिक्किम में पूरी दुनिया में सबसे अजीब सरकार है जो विकास को उलट देती है। उनका भ्रष्टाचार, कुशासन, अलोकतांत्रिक रवैया और पर्यावरण विरोधी गतिविधियां सारी हदें पार कर चुकी हैं। उन्होंने वह सब कुछ किया है जो उन्हें नहीं करना चाहिए था। सरकार के रिवर्स गियर में चलने का यह एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

पवन चामलिंग ने इस पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि सिक्किम शिक्षा विभाग ने सिक्किम के छात्रों को सरकारी कॉलेजों से निष्कासित कर दिया, तदर्थ शिक्षकों को कोविड महामारी के ठीक बीच में बर्खास्त कर दिया और बर्खास्त तदर्थ शिक्षकों द्वारा आयोजित शांतिपूर्ण धरने को बाधित करने के लिए कार्यरत तदर्थ शिक्षकों के एक अन्य समूह को भेज दिया। एसकेएम सरकार के तहत शिक्षा विभाग ने छात्रों के लिए हमारी लैपटॉप वितरण योजना को टीवी वितरण योजना में बदल दिया। यह पुस्तक वितरण कार्यक्रम को मूवी सीडी वितरण कार्यक्रम में बदलने जैसा था। एसकेएम नेतृत्व की यही सोच है।

पवन चामलिंग ने कहा कि सिक्किम वन विभाग पूरे सिक्किम में पेड़ों को काट रहा है और वन सचिव ने मीडिया को बताया है कि यह जंगलों का वैज्ञानिक प्रबंधन है। एसडीएफ सरकार के तहत सिक्किम में वन आवरण 1993 में 43.95 प्रतिशत से 4 प्रतिशत बढ़कर 2017 में 47.62 प्रतिशत हो गया था। दुख की बात है कि ग्लोबल फ़ॉरेस्ट वॉच के अनुसार, सिक्किम ने 2021 में 90.0 हेक्टेयर प्राकृतिक वन खो दिया जो कि 49.6 केटी सीओ2 उत्सर्जन के बराबर है। उन्होंने कहा कि सिक्किम के पेड़ हजारों की संख्या में काटे जा रहे हैं और निर्यात किए जा रहे हैं। जब एसकेएम की सरकार बनी थी तब से मैं इस मामले को उठा रहा हूं। अब उनकी पेड़ों की कटाई की गतिविधि कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान में प्रवेश कर गई है। गौरतलब है कि कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान को 2016 में यूनेस्को की विश्व विरासत स्थल में शामिल किया गया था जब हम सरकार में थे। सिक्किम को 1998 में भारत के सबसे हरित राज्य के रूप में भी मान्यता दी गई थी। यह पर्यावरण विरोधी एसकेएम सरकार इन सभी विरासतों को नष्ट कर रही है।

एसडीएफ अध्यक्ष पवन चामलिंग ने कहा कि राज्य के प्रमुख सरकारी अस्पताल, अर्थात् न्यू एसटीएनएम अस्पताल में, एक हार्ट सर्जन, स्वर्गीय संजय उप्रेती की मौत हो गई थी और एक अन्य कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गया था, जब वे ड्यूटी पर थे। सरकार ने पीड़ितों को न्याय दिलाने के बजाय न्याय की मांग करने वाले उनके कई साथियों को प्रताड़ित किया। विडंबना यह है कि मेडिकल रेफरल मामलों को मुख्यमंत्री के बेटे और पत्नियों द्वारा नियंत्रित किया जाता है, जो न तो चिकित्सा विशेषज्ञ हैं और न ही जनप्रतिनिधि। चिकित्सा उपचार के लिए सरकारी सहायता मुख्यमंत्री के परिवार की सनक और पसंद पर है। स्वास्थ्य मंत्री को अपने परिवार की कठपुतली और स्वास्थ्य विभाग को अपनी पारिवारिक संपत्ति की तरह ट्रीट किया जा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सिक्किम विद्युत विभाग सभी जलविद्युत परियोजनाओं और राज्य इक्विटी शेयरों को बेच रहा है। हालांकि एसडीएफ सरकार ने सिक्किम को बिजली-अधिशेष वाला राज्य बना दिया है, लेकिन बिजली के घोर दुरुपयोग के कारण अभी बिजली की कमी है। बिजली विभाग बार-बार बिजली गुल होने के विभिन्न बहाने बना रहा है। सिक्किम ने इतनी हास्यास्पद रूप से अक्षम, बेशर्मी से बेईमान और असंदिग्ध रूप से भ्रष्ट सरकार कभी नहीं देखी थी। पिछले 3 वर्षों के दौरान सिक्किम पीएचई विभाग के तहत सार्वजनिक खपत के लिए पानी की आपूर्ति खराब हो गई है। पेयजल आपूर्ति की भारी किल्लत से लोग बेहाल हैं। गंगटोक में स्थिति विशेष रूप से भयानक है। कई लोगों को संदेह है कि जल माफिया अवैध रूप से बड़े होटलों में पानी की आपूर्ति कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि एसकेएम पार्टी सिक्किम सरकार से भी अमीर हो गई है। यहां तक कि, कल्याणकारी योजनाएं सरकार द्वारा नहीं बल्कि एसकेएम पार्टी द्वारा कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं को वितरित की जाती हैं, लेकिन सिक्किम के लोगों को नहीं। सिक्किम सरकार नौकरी देने के बजाय कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त करती है। पुलिस विभाग में कई पुलिस कर्मी सिक्किम के लोगों की सेवा करने के बजाय एसकेएम पार्टी के लिए काम करते हैं। कई पुलिस थानों ने शारीरिक हमलों के पीड़ितों की प्राथमिकी दर्ज करने से मना कर दिया। मुख्यमंत्री पंचायत चुनाव के तारीखों की घोषणा करते हैं, राज्य चुनाव आयोग नहीं। रेनॉक विधायक का कहना है कि अगर लोग अपने क्षेत्र में एसडीएफ पार्टी कार्यालय खोलने की अनुमति देते हैं तो वह लोगों से सरकारी योजनाओं को छीन लेंगे। परिवहन मंत्री का कहना है कि अगर उनके क्षेत्र और विभाग के लोगों ने उनकी पार्टी का समर्थन नहीं किया तो वह उन्हें प्रताड़ित करेंगे। मुख्यमंत्री का कहना है कि लोगों को यह अधिकार है कि वे जिस पर चाहें पत्थर फेंकें। सिक्किम अब इन मूर्ख लोगों को

बर्दाश्त नहीं करेगा जिन्होंने बड़े पैमाने पर सिक्किम सरकार और सिक्किम का मजाक बनाया है। 2024 आखिरी साल होगा जब सिक्किम के लोगों को उनकी मूर्खता बर्दाश्त करनी पड़ेगी। 2024 के चुनाव के बाद, हम उनसे हर मिनट का हिसाब लेंगे।

डबल इंजन सरकार सिर्फ फिजिकल-डिजिटल ही नहीं, सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी बल दे रही : पीएम मोदी

अगरतला, 18 दिसम्बर (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगरतला में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा भी मौजूद रहे। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगरतला में रोड शो किया।

पीएम नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी और प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत लाभार्थियों के लिए 'गृह प्रवेश' कार्यक्रम शुरू किया। 3400 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित इन घरों में 2 लाख से अधिक लाभार्थी शामिल होंगे।

इस दौरान नरेंद्र मोदी नें कहा कि मैं त्रिपुरा के लोगों का अभिनंदन करता हूं कि आप सबके प्रयास से यहां स्वच्छता से जुड़ा बहुत बड़ा अभियान आपने चलाया है। बीते 5 वर्षों में आपने स्वच्छता को जन आंदोलन बनाया है। इसी का परिणाम है कि इस बार त्रिपुरा छोटे राज्यों में देश का सबसे स्वच्छ राज्य बनकर उभरा है।

उन्होंने कहा कि आज त्रिपुरा को अपना पहला डेंटल कॉलेज मिला है। इससे त्रिपुरा के युवाओं को यहीं पर डॉक्टर बनने का अवसर मिलेगा। आज त्रिपुरा के 2 लाख से अधिक गरीब परिवार अपने नए पक्के घर में गृहप्रवेश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार बनने से पहले तक सिर्फ 2 बार त्रिपुरा की नॉर्थ ईस्ट की चर्चा होती थी। एक जब चुनाव होते थे और दूसरा जब हिंसा की घटना होती थी। आज त्रिपुरा की चर्चा इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए होती है। डबल इंजन सरकार सिर्फ फिजिकल और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर ही नहीं बल्कि सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर पर बल दे रही है।

पीएम मोदी ने कहा कि त्रिपुरा के जरिए अब नॉर्थ ईस्ट इंटरनेशनल ट्रेड का भी एक गेटवे बन रहा है। अगरतला अखौरा रेलवे लाइन से व्यापार का नया रास्ता खुलेगा। इसी तरह भारत, थाइलैंड, म्यामांर हाइवे रोड इंफ्रास्ट्रक्चर के जरिए नॉर्थ ईस्ट दूसरे देशों के साथ संबंधों का द्वार भी बन रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर पूर्व (शेष पृष्ठ ०३ पर)

पूर्वोत्तर परिषद की स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल हुए राज्यपाल तथा सीएम

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 18 दिसम्बर । शिलांग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में पूर्वोत्तर परिषद के ऐतिहासिक स्वर्ण जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद तथा मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने भी भाग लिया। इसमें पूर्वोत्तर राज्यों के राज्यपालों एवं मुख्यमंत्रियों की भी उपस्थिति रही। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास करते हुए कहा कि उत्तर पूर्वी राज्यों में विभिन्न परियोजनाओं से इन क्षेत्रों के विकास पथ को अविरल गति प्राप्त होगी।

सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर को सुरक्षा एवं समृद्धि तथा अंतरराष्ट्रीय व्यापार का प्रवेश द्वार बताया। उत्तर पूर्वी परिषद उत्तर पूर्वी क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास को गति देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है जिसमें अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा के आठ राज्य शामिल हैं। प्रधानमंत्री के अटूट प्रयास एवं सक्षम मार्गदर्शन में पूरे पूर्वोत्तर राज्यों को विकास की अविरल गति प्राप्त हुई है और पिछले 8 वर्षों में उनके कुशल नेतृत्व एवं संरक्षण में पूर्वोत्तर राज्य और अधिक ऊचाईयों को प्राप्त करने में सक्षम हो रहे हैं।

लाल बाजार में अवैध दुकानदारों पर हो कार्रवाई : बिराज अधिकारी

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 18 दिसम्बर । हाम्रो सिक्किम पार्टी ने लाल बाजार में अवैध कब्जे और अतिक्रमण के मुद्दे पर गंगटोक नगर निगम (जीएमसी) के मेयर को अपना समर्थन किया है और अवैध कब्जा हटाने की मांग की है। जीएमसी के महापौर और उप महापौर ने हाल ही में बाजार पर फर्जी तरीके से कब्जा किए जाने से उत्पन्न हो रही समस्या को लेकर चिंता प्रकट की थी।

एचएसपी के महासचिव बिराज अधिकारी ने कहा कि हाम्रो सिक्किम पार्टी जीएमसी द्वारा उन फेरीवालों की पहचान करने और उन्हें बेदखल करने के लिए लिए गए फैसलों के साथ है जो अनधिकृत तरीकों से अपना व्यवसाय जारी रखते हैं। फेरीवालों से प्रमाण के रूप में आवासीय प्रमाण पत्र (आरसी) या सिक्किम विषय प्रमाण पत्र (एसएससी) की प्रस्तुति की मांग करने का निर्णय समान रूप से आवश्यक और प्रशंसनीय है। एचएसपी सिक्किम में इनर-लाइन परमिट को लागू करने की मांग कर रहा है और अगर आईएलपी लागू किया गया होता तो इनमें से कई मुद्दों का समाधान हो गया होता।

बिराज अधिकारी ने कहा कि मेयर ने खुद (शेष पृष्ठ ०३ पर)

नियुक्ति पत्र देकर मुख्यमंत्री योगी शिक्षकों से बोले- ट्रांसफर-पोस्टिंग में न पड़ें अपना काम करें

लखनऊ, 18 दिसम्बर (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी ने नियुक्ति पत्र पाने वाले सहायक अध्यापकों व प्रवक्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप कोशिश करें कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आधार पर नवाचार तैयार करें। हमें हमेशा अपने आप को अपडेट रखना होगा। इससे समस्याओं का समाधान भी होगा। आपका सम्मान भी होगा। आप सभी नवनियुक्त युवाओं से मेरा कहना है कि आप नियुक्ति के बाद ट्रांसफर पोस्टिंग के चक्कर मे मत पड़ना। आपको अपनी जिम्मेदारियों निर्वहन करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपकी योग्यता ही आपको सम्मान दिलाएगी। सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से एक क्रांतिकारी कदम उठाया है,। भारत दुनिया के अंदर शिक्षा के एक बहुत बड़े केंद्र के रूप में स्थापित हो सकता है। आज छात्र पर डिग्री डिप्लोमा लेकर निकलता है तो एक चौराहे पर खड़ा होता है कि क्या करे ? उस छात्र को तैयार करने की जिम्मेदारी शिक्षक की ही होती है।

आप शासन के प्रोजेक्ट का हिस्सा बनेंगे तो इससे आप के साथ-साथ छात्र और संस्थान दोनों बढ़ेंगे। हमने एक लाख 26 हजार शिक्षकों की नियुक्ति की है। शासकीय कॉलेजो में 40 हजार की नियुक्तियां हुई हैं। उच्च शिक्षा की भर्तियां अलग हैं। इस बात से आप प्रेरित होंगे कि ऐसी ही निष्पक्षता अपने कार्यपद्धति में लाना होगा।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश असीम संभावनाओं वाला प्रदेश है। हमें इसके विकास के लिए सहयोग भी देना होगा। संस्कृत शिक्षकों की भी भर्तियां हमने करवाई। भर्ती प्रक्रिया युद्धस्तर पर जारी है लेकिन हमको उस निष्पक्षता की कार्यपद्धति को अपनाना होगा। भर्तियां पूरी हुई है तो ,नियुक्ति भी जरूर होगी। वेरिफिकेशन की प्रक्रिया में समय लगता है तो मैं खुद विभागों से इस के लिए जानकारी लेता हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा, आपने पिछले साढ़े पांच-छह वर्षो में प्रदेश के माहौल और कार्यपद्धति को देखा होगा। प्रदेश बदला है। निवेश आया है। हमारा क्या योगदान हो जिससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था में ग्रोथ हो। इसकी ओर सोचना होगा। नीति आयोग की रैंकिंग में आज उत्तर प्रदेश ने अभूतपूर्व सफलता हासिल

की है। टॉप 10 में 5 जनपद उत्तर प्रदेश के हैं। टॉप 20 में हमारे 8 जनपद हैं। आज यूपी में निवेश आ रहा है इससे युवाओं को असीम अवसर मिलेंगे। उत्तर प्रदेश की छवि साढ़े पांच साल पहले क्या थी आप भी जानते होंगे। युवाओं को रहने के लिए कमरे नहीं मिलते थे। आज ये धारणा बदली है। आप उत्तर प्रदेश को नई पहचान बनाने के अभियान में सहायक होंगे। इस शुभकामना के साथ आपको हृदय से बधाई।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा- टुकडे.-टुकडे. कर बिक रहा देश, कभी रेल तो कभी हवाई अड्डे

मथुरा, 18 दिसम्बर (एजेन्सी)। मथुरा में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ब्रजलाल खाबरी ने कहा कि देश विपत्ति से गुजर रहा है। वर्तमान केंद्र सरकार ने टुकडे.-टुकडे. कर देश को बेचने की शुरुआत कर दी है। कभी रेल को बेचा जा रहा है तो कभी हवाई अड्डों को। ऐसे में देश को बचाने की जिम्मेदारी कांग्रेस की है। राहुल गांधी देश को बचाने के लिए कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक यात्रा कर रहे हैं। भाजपा को वहीं भेजना है, जहां झोला टांग कर चले जाने की बात 2014 में मोदी जी ने

की थी।

रविवार को भाजपा से कांग्रेस में शामिल हुए कुंवर सिंह निषाद के लिए आयोजित समारोह में प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि अगर आपने कांग्रेस के हाथ में देश की बागडोर सौंप दी तो देश बच जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा के पास मंदिर के अलावा कोई मुद्दा नहीं है। सारे मामले कोर्ट में चल रहे हैं कोर्ट जो करेगा उसे सभी स्वीकार करेंगे।

उन्होंने चीन के मुद्दे पर राहुल गांधी के बयान का पक्ष लेते कहा कि देश बिक रहा है अगर देश बिकने से रोकने की बात कर रहे हैं तो वह देशद्रोह हो गया। वह देश बेच रहे हैं हम देखते रहें तो उन्हें अच्छा लगेगा। चीन बार्डर पर कब्जा करता जा रहा है। अगर इस बात को हम नहीं बोलेंगे तो कौन बोलेगा।

पूर्व विधायक प्रदीप माथुर ने कहा कि गोकुल बैराज के डूब क्षेत्र से प्रभावित किसानों के लिए आंदोलन की शुरुआत करेंगे, जिससे किसानों को डूब क्षेत्र की जमीन का मुआवजा मिल सके। इससे पूर्व वरिष्ठ कांग्रेसी यामिनी रमण आचार्य, प्रदेश महासचिव श्याम सुंदर शर्मा बिट्टू, पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक चकलेश्वर, जिलाध्यक्ष भगवान सिंह वर्मा, शहर अध्यक्ष एमएम शर्मा, पूर्व प्रधान दामोदरपुरा राकेश दिवाकर ने भी सभा को संबोधित किया।

गोकुल बैराज में डूब क्षेत्र के किसानों को मुआवजा दिलाने के आंदोलन में अग्रणी रहे कुंवर सिंह निषाद और उनकी पत्नी विमलेश निषाद ने रविवार को कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए जीवन लगा दिया, लेकिन भाजपा में मुझे उपेक्षा, दुत्कार और गालियां मिलीं। शीर्ष नेतृत्व ने धक्के देकर कार्यालय के बाहर कर दिया। उनकी सिर्फ एक ही गलती थी उन्होंने गरीब, दलित, पिछड़ों की आवाज उठाई थी। सबसे पहले कांग्रेस नेता प्रदीप माथुर ने बैराज में किसानों की मांग उठाई थी।

पीएमएवाई लिस्ट में केंद्रीय मंत्री के पिता का नाम आने पर बंगाल में सियासी घमासान

कोलकाता, 18 दिसम्बर (एजेन्सी)। केंद्रीय राज्य मंत्री निशीथ प्रमाणिक के पिता बिधुभूषण प्रमाणिक का नाम प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत पात्र लाभार्थियों की सूची में होने पर पश्चिम बंगाल में राजनीतिक घमासान शुरू हो गया है। यह योजना मूल रूप से उन लोगों के लिए है, जो एक विशेष वित्तीय स्थिति स्तर से नीचे हैं।

रविवार को, तृणमूल कांग्रेस द्वारा संचालित कूचबिहार नगर पालिका के अध्यक्ष रवींद्रनाथ घोष ने आरोप लगाया कि कूचबिहार जिले में एक महलनुमा हवेली के मालिक होने के बावजूद, निशीथ प्रमाणिक के पिता का नाम पीएमएवाई योजना के तहत घर पाने के लिए पात्र प्राप्तकर्ताओं की सूची में शामिल है।

घोष ने कहा, यह कैसे संभव है ? भाजपा नेतृत्व और कार्यकर्ताओं को यह सवाल निशीथ प्रमाणिक से पूछना चाहिए।

प्रमाणिक कूचबिहार संसदीय क्षेत्र से भाजपा के लोकसभा सदस्य हैं।

हालांकि प्रमाणिक ने इस बारे में अभी कोई बयान नहीं दिया है, लेकिन केंद्रीय मंत्री की ओर से संक्षिप्त जानकारी देने के लिए भाजपा के कूचबिहार जिला अध्यक्ष सुकुमार रॉय आगे आए।

रॉय के अनुसार, यह हाल की जांच की पृष्ठभूमि में प्रमाणिक और उनकी पार्टी को बदनाम करने के लिए रची गई साजिश है, जिसमें पता चला है कि करोड़ों रुपये और कई घरों के मालिक तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने पीएमएवाई योजना के तहत लाभार्थी के लिए नामांकन कराया है।

उन्होंने कहा, कई वास्तविक उम्मीदवारों को पीएमएवाई योजना के तहत नामांकित नहीं किया जा रहा है क्योंकि वे या तो विपक्षी दलों से जुड़े हैं या निष्पक्ष हैं। इस मामले में जांच शुरू होने के बाद से तृणमूल कांग्रेस के नेताओं की अनियमितताएं हर रोज सार्वजनिक हो रही हैं।

उन्होंने कहा, जानबूझकर प्रामाणिक के पिता का नाम हमें बदनाम करने के लिए सूची में शामिल किया गया है। यह पश्चिम बंगाल में हर जगह हो रहा है। जानबूझकर हमारे कुछ नेताओं या उनके रिश्तेदारों के नाम प्राप्तकर्ताओं की सूची में डाले गए हैं।

तेलंगाना कांग्रेस में मची भगदड़, एक दिन में 13 पीसीसी मेंबरों ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस की तेलंगाना इकाई में आंतरिक कलह तेज होती दिख रही है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के 13 सदस्यों ने कुछ वरिष्ठ नेताओं की इन टिप्पणियों के विरोध में रविवार को इस्तीफा दे दिया कि अन्य दलों से कांग्रेस में आए लोगों को प्रमुखता मिली है। इन 13 सदस्यों में कांग्रेस विधायक डी. अनसूया (सीतक्का) और पूर्व विधायक वी. नरेंद्र रेड्डी भी शामिल हैं।

अविभाजित आंध्र प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री दामोदर राजनरसिंह ने तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के कुछ पूर्व नेताओं के कांग्रेस में शामिल होने के संबंध में शनिवार को कहा था कि अगर दूसरे दलों से कांग्रेस में आने वालों को पार्टी में तवज्जो दी जाएगी, तो इससे मूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच क्या संदेश जाएगा। राजनरसिंह ने जब यह टिप्पणी की तब कांग्रेस विधायक दल के नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क, लोकसभा सदस्य एन. उत्तम कुमार रेड्डी, पूर्व सांसद मधु यशकी गौड़ और पार्टी विधायक टी. जयप्रकाश रेड्डी भी उनके साथ मौजूद थे। माना जा रहा है कि ये नेता प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद ए. रेवंत रेड्डी से नाराज हैं।

पूर्व विधायक ई. अनिल ने आज यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए 'वरिष्ठ नेताओं' से साथ मिलकर काम करने और राज्य में पार्टी को फिर से सत्ता में लाने की अपील की। उन्होंने कहा कि पार्टी में सभी लोग वरिष्ठों का सम्मान करते हैं। अनिल ने पार्टी के कुछ नेताओं को प्रवासी बताए जाने पर आपत्ति जताई। उन्होंने वरिष्ठ नेताओं से तेलंगाना में बीआरएस के नेतृत्व वाली और केंद्र में भाजपा नीत सरकार के खिलाफ एकजुट होकर लड़ाई लड़ने का आग्रह किया। हाल में मुनुगोड़े विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन के बाद, पार्टी की प्रदेश इकाई में आंतरिक कलह देखने को मिली है।

किशोरों पर परिवार की अपेक्षाओं का भारी बोझ

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर (एजेन्सी)। मनोरोग और मानसिक स्वास्थ्य अध्ययनों से पता चलता है कि किशोरों में आत्महत्या की प्रवृत्ति सबसे ज्यादा है। इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन बिहेवियर एंड एलाइड साइंसेज के पूर्व निदेशक डॉ निमेश देसाई के अनुसार, मैच्योरिटी के मनोवैज्ञानिक परिवर्तन, पहचान बनाने की चिंता और सामाजिक कारक कई बार किशोरों को इस तरह के खौफनाक कदम उठाने के लिए प्रेरित करते हैं।

दूसरा महत्वपूर्ण तथ्य, उन्होंने कहा, जैसा कि हम ऐसे समाजों में रह रहे हैं जो बदलता रहता है। फिर, समाज की अपेक्षाओं और अकादमिक सब कुछ का दबाव किशोरों पर सीमा से अधिक है।

कोटा में हाल ही में हुई आत्महत्याओं का जिक्र करते हुए डॉ. देसाई ने कहा, चूंकि यहां शिक्षण संस्थानों और कोचिंग का ऐसा जमावड़ा है, इसलिए प्रतिस्पर्धा और सफलता का बोझ भारी होता है।

आत्महत्या के प्रयासों में कारकों के इन तीन सेटों का होना भावनात्मक रूप से अस्थिर है। यह पहचान बनाने की मनोवैज्ञानिक चिंता है, सफल होने का सामाजिक दबाव है, और फिर अभिव्यक्ति और साझा करने के लिए उपलब्धता की कमी है। ये सभी फैक्टर कोटा में काम करते हैं।

आईएचबीएएस के पूर्व निदेशक ने आगे कहा कि सामाजिक निर्माण इतना जटिल हो गया है कि माता-पिता या परिवारों की प्रतिष्ठा उनके बच्चों की शैक्षणिक सफलता पर निर्भर करती है।

दुर्भाग्य से, मध्यवर्गीय समाजों में, माता-पिता अक्सर अनजाने में अपने बच्चों के करियर के माध्यम से अपने सपनों को पूरा करना चाहते हैं।

मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) के उजाला सिग्नस ब्राइट स्टार अस्पताल के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह ने कहा: छात्रों की आत्महत्या से कई कारक जुड़े हैं, जैसे भावनात्मक रूप से टूटना, परिवार के समर्थन की कमी, मानसिक स्वास्थ्य, और प्रदर्शन का दबाव।

इनमें से कई छात्र राज्य या स्कूल के टॉपर हैं और जब वे कोटा आते हैं तो उनके माता-पिता या शिक्षकों को उनसे बहुत सारी उम्मीदें होती हैं। डॉ. सिंह ने कहा, जब वे खुद को हारते हुए पाते हैं या अपनों की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाते हैं, तो वे डिप्रेशन में चले जाते हैं। ऐसे मामलों में परिवार या दोस्तों से भावनात्मक समर्थन बहुत महत्वपूर्ण होता है।

हम शैक्षिक प्रणाली को पूरी तरह से जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते। यदि कोई छात्र आत्महत्या का प्रयास करने की योजना बना रहा है, तो वह संकेत देता है। यदि उनके पास नियमित रूप से अपने परिवार से बात करने या बातचीत करने के लिए दोस्त हैं, तो उन्हें ऐसा करने से रोका जा सकता है।

उन्होंने कहा, अगर उनके पास ऐसा कोई सपोर्ट सिस्टम नहीं है, तो ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं की संभावना अधिक होती है। इन्हें रोकने के लिए, माता-पिता को अपने बच्चों के साथ बहुत दोस्ताना व्यवहार करना चाहिए, उन्हें हमेशा भावनात्मक समर्थन देना चाहिए और किसी भी विफलता के लिए उन्हें कभी डांटना नहीं चाहिए।

सुकेश का एक और चिट्ठी बम: लिखा- जैन के पास काले-भूरे रंग की डायरी, उसमें केजरीवाल लूट गैंग का है सारा ब्योरा

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर (एजेन्सी)। मंडोली जेल में ठगी के आरोप में बंद सुकेश चंद्रशेखर ने एक बार फिर जेल से चिट्ठी लिखकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और जेल में बंद मंत्री सत्येंद्र जैन पर हमला बोला है। चिट्ठी में आरोप लगाया है कि उपराज्यपाल की ओर से गठित उच्चाधिकार कमेटी के सामने बयान देने के बाद से जेल प्रशासन की ओर उसे धमकी दी जा रही है। साथ ही परिवार वालों को भी कई नंबरों से धमकी मिल रही है। लेकिन उसने साफ कर दिया कि वह भाजपा के दबाव में आकर कोई आरोप नहीं लगाया है और अपने बयान पर कायम है। साथ ही कहा कि कानूनी लड़ाई जारी रखेंगे।

अपने वकील के जरिए भिजवाए चिट्ठी में सुकेश ने लिखा कि अरविंद केजरीवाल भाजपा के दबाव में पत्र लिखने के आरोप लगाते हैं, जबकि उससे किसी ने ऐसी कोई चिट्ठियां लिखने के लिए नहीं कहा है। हाल के चुनाव नतीजों का जिक्र करते हुए सुकेश चंद्रशेखर ने केजरीवाल से कहा कि वह दो सौ से ज्यादा सीट मिलने का दावा कर रहे थे और उसके लगाए आरोपों को बेतुका बताकर जीतने का दावा कर रहे थे, लेकिन उन्हें इसकी रियलिटी चेक करनी चाहिए। आप को काफी कम अंतर से जीत मिली है। सत्येंद्र जैन के अधीन सभी सीटें आप हार गए और मनीष सिसोदिया के विधानसभा क्षेत्र में सीटों का क्या हुआ। यह आपके राजनीति के अंत की शुरूआत है।

सुकेश ने लिखा है कि मैंने आपके साथ बेहद करीब से काम किया है इसलिए मैं जानता हूं आप कैसे ऑपरेट करते हैं। केजरीवाल पर लूट गैंग चलाने का आरोप लगाते हुए सुकेश ने लिखा कि वह जैन को इसलिए नहीं हटा रहे हैं क्योंकि वह उनका सारा भंडाफोड़ देंगे। सुकेश का दावा है कि जैन के पास एक काले-भूरे रंग की डायरी है जिसमें सारे लेन-देन का ब्योरा है। उसने दो फोन नंबर का जिक्र करते हुए कहा कि इन नंबरों से उसके परिवार को धमकी दी जा रही है।

उसने तिहाड़ जेल में सत्येंद्र जैन के फोन इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया है। सुकेश ने चिट्ठी में पूछा है कि यह नंबर किसका है। सुकेश ने केजरीवाल और जैन दोनों को महाठग कहकर संबोधित किया है। उसने जीके उर्फ जयकिशन नाम के किसी शख्स का जिक्र किया है और दावा किया है कि जैन के दबाव में उसने जीके की गर्लफ्रेंड के लिए मुंबई के गोरेगांव में सात करोड़ का अपार्टमेंट खरीदकर दिया। चिट्ठी के आखिर में सुकेश ने धमकी दी है कि वह सबका भंडाफोड़ देगा।

नगालैंड पहुंची केंद्रीय गृह मंत्रालय की टीम, अलग राज्य की मांग को लेकर राज्य सरकार के जानेगी विचार

कोहिमा, 18 दिसम्बर (एजेन्सी)। पूर्वोत्तर राज्य नगालैंड के विभाजन का मुद्दा काफी जोर पकड़ रहा है, जिस पर केंद्र सरकार लगातार अपनी नजर बनाए हुए है। वहीं मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार ने गृह मंत्रालय की तीन सदस्यीय टीम शुक्रवार को नगालैंड के त्युएनसांग पहुंच गई। वहीं गृह मंत्रालय की एक टीम सोमवार को यहां अधिकारियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों से मिल सकती है और मामले पर सरकार की राय जान सकती है।

गृह मंत्रालय (पूर्वोत्तर) के सलाहकार एके मिश्रा की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय टीम, जिसमें इंटेलिजेंस ब्यूरो के संयुक्त निदेशक मनदीप सिंह तुली और गृह मंत्रालय (एमएचए) के पूर्वोत्तर डिवीजन के निदेशक एके ध्यानी शामिल हैं, रविवार को राज्य की राजधानी पहुंचे। टीम शुक्रवार से पूर्वोत्तर राज्य पहुंची और त्युएनसांग में ईस्टर्न नगालैंड पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन (ईएनपीओ) के पदाधिकारियों के साथ बंद कमरे में बैठक की।

शनिवार को, उन्होंने सात आदिवासी होहो (संगठनों), पूर्वी नागालैंड महिला संगठन, पूर्वी नागालैंड छात्र संघ, गाँव बुराह (ग्राम प्रधानों) और क्षेत्र के छह जिलों के उपायुक्तों और एसपी के नेताओं से मुलाकात की।

इस बीच, ईएनपीओ को अलग राज्य का दर्जा देने की मांग पर बात करने वाली टीम के नेता और पूर्व विधायक के असुंगबा संगतम ने बताया कि केंद्रीय तथ्यान्वेषी दल ने उनके विचारों और अन्य संगठनों द्वारा व्यक्त की गई राय पर गौर किया। वहीं गृह मंत्रालय की टीम के दौरे के बाद ईएनपीओ ने सोमवार को केंद्रीय कार्यकारी समिति की बैठक बुलाई है।

वैश्विक पेट्रोकेमिकल मांग में होने वाली वृद्धि में दस फीसदी योगदान भारत का होगा : हरदीप सिंह पुरी

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर (एजेन्सी)। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि वैश्विक पेट्रोकेमिकल मांग में होने वाली वृद्धि में दस फीसदी योगदान भारत का होगा। हालांकि देश में प्रति व्यक्ति खपत विकसित देशों की तुलना में उल्लेखनीय रूप से कम है। तेल और गैस को दैनिक उपयोग की वस्तुएं मसलन प्लास्टिक, उर्वरक, पैकेजिंग, कपड़ा, डिजिटल उपकरण, चिकित्सा उपकरण, डिटर्जेंट या टायर में बदलने में इस्तेमाल होने वाले पेट्रोकैमिकल वैश्विक तेल खपत में बड़ी हिस्सेदारी रखते हैं।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के मुताबिक, 2050 तक तेल की मांग में होने वाली वृद्धि में इनकी हिस्सेदारी आधी से अधिक होगी। पुरी ने यहां सातवें पेट्रोकेमिकल सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, भारत में पेट्रोकेमिकल बाजार का मौजूदा आकार करीब 190 अरब डॉलर है जबकि इनकी प्रति व्यक्ति खपत विकसित अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में बहुत कम है। यह अंतर मांग और निवेश अवसरों में वृद्धि के लिए जगह बनाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दुनिया में ऊर्जा का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता भारत वैश्विक पेट्रोकेमिकल विनिर्माण केंद्र बनने पर भी ध्यान दे रहा है।

उन्होंने कहा, पेट्रोकेमिकल उद्योग की वृद्धि को गति देने में बढ़ती आबादी में पेट्रोकैमिकल उत्पादों की बढ़ती मांग और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था एक अहम कारक है। पेट्रोकेमिकल की वैश्विक मांग में वृद्धि में भारत की हिस्सेदारी दस फीसदी होगी। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) की ओर से जारी बयान में यह जानकारी दी गई। इसके मुताबिक आईओसी के चेयरमैन एस एम वैद्य ने कहा, तेल और गैस की वैश्विक मांग में पेट्रोकेमिकल उत्पादन क्रमश: 14 फीसदी और आठ फीसदी है। नई प्रौद्योगिकियों की वजह से यह जल्द ही 30 फीसदी होने की उम्मीद है।

पीएम ने रूस-यूक्रेन युद्ध में मध्यस्थता की, पर महाराष्ट्र और कर्नाटक सीमा विवाद पर चुप क्यों? : संजय राउत

मुंबई, 18 दिसम्बर (एजेन्सी)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक तरफ तो रूस-यूक्रेन युद्ध में मध्यस्थता करते हैं, लेकिन दूसरी ओर वह महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद को पूरी तरह से नजरअंदाज कर रहे हैं, जो एक अच्छे नेता की निशानी नहीं' है। राउत ने पार्टी के मुखपत्र सामना में प्रकाशित अपने साप्ताहिक स्तंभ रोकटोक में लिखा कि महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच सीमा विवाद दो राज्यों के लोगों एवं सरकारों के बीच लड़ाई नहीं, बल्कि मानवता के लिए संघर्ष है। भाषाई आधार पर राज्यों का पुनर्गठन किए जाने के बाद 1957 से सीमा विवाद का मुद्दा बरकरार है।

महाराष्ट्र बेलगावी पर दावा करता है, जो तत्कालीन बॉम्बे प्रेसीडेंसी का हिस्सा था, क्योंकि यहां मराठी भाषी आबादी का एक बड़ा हिस्सा है। महाराष्ट्र 814 मराठी भाषी गांवों पर भी दावा करता है, जो वर्तमान में कर्नाटक का हिस्सा हैं। राउत ने कहा, बेलगावी और आस-पास के इलाकों में उस मराठी भाषी आबादी के संघर्ष को क्रूरता से कुचला नहीं जा सकता, जिसे राज्यों के पुनर्गठन के दौरान उसकी इच्छा के विरुद्ध कर्नाटक में शामिल किया गया था। उन्होंने कहा कि यदि इस मामले को केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट सुलझा नहीं सकते तो न्याय कहां से मिलेगा। राउत ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी रूस-यूक्रेन युद्ध में मध्यस्थता करते हैं, लेकिन वह महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद को पूरी तरह से नजरअंदाज कर रहे हैं। यह अच्छे नेता की निशानी नहीं है।

राज्यसभा सदस्य राउत ने कहा कि यह अच्छी बात है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस मुद्दे को सुलझाने के लिए पहल की है, लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या केंद्र सरकार तटस्थ रुख अपनाएगी ? उन्होंने मांग की कि संसद को सीमा विवाद का समाधान खोजना चाहिए। राउत ने कहा, इस बात का इंतजार करने के बजाय कि उच्चतम न्यायालय इस मामले को संसद के पास भेजे, यदि संसद इसका जल्द से जल्द समाधान खोज लेती है तो इसमें क्या नुकसान है।

उन्होंने कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई को महाराष्ट्र के खिलाफ भड़काऊ बयान देने के बजाय विवाद को सुलझाने के लिए बेलगावी में मराठी भाषी लोगों के संगठनों और नेताओं से बातचीत करनी चाहिए थी। राउत ने कहा, यह स्पष्ट है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे महाराष्ट्र के क्षेत्रों पर दावा करने के बोम्मई के आक्रामक रुख का सामना करने के लिहाज से कमजोर हैं। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर शाह द्वारा बुलाई गई दोनों मुख्यमंत्रियों की बैठक में यथास्थिति बनाए रखने का निर्णय लिया गया।

सीमा विवाद के बीच आज से शुरु होगा कर्नाटक विधानसभा का सत्र

बेंगलुरू, 18 दिसम्बर (एजेन्सी)। महाराष्ट्र और कर्नाटक का सीमा विवाद कम होने के बजाए बढ़ता ही जा रहा है। इस बीच कर्नाटक विधानसभा का शीतकालीन सत्र सोमवार से बेलगामी में शुरू होगा। रिपोर्ट के अनुसार, कर्नाटक में अगले साल अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं।

ऐसे में वर्तमान बोम्मई सरकार के लिए उत्तरी कर्नाटक शहर में यह आखिरी शीतकालीन सत्र होगा। सत्र के दौरान भाजपा सरकार महत्वपूर्ण कानूनों को आगे बढ़ाने की योजना बना रही है, जबकि विपक्ष भ्रष्टाचार सहित कई मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में है।

भाजपा सरकार अनुसूचित जाति के आरक्षण को 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 17 प्रतिशत करने और अनुसूचित जनजातियों के लिए 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत करने की अपनी योजना के साथ आगे बढ़ रही है जो आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट की 50 प्रतिशत की सीमा से ज्यादा है।

कर्नाटक के सीएम बसवराज बोम्मई ने रविवार को हुबली में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि एससी/एसटी आरक्षण अध्यादेश विधेयक सोमवार से बेलागवी में सुवर्ण सौधा में राज्य विधानमंडल के सत्र में पेश किए जाने वाले विधेयकों में से एक है। कुल मिलाकर, छह ड्राफ्ट कानूनों की मंजूरी से पहले इनपर चर्चा की जानी है। जबकि चार नए बिल हैं, दो बेंगलुरु में पिछले सत्र में पेश किए गए थे।

इस बीच, विपक्षी दल भ्रष्टाचार, मतदाता सूची डेटा चोरी घोटाले, बेंगलुरु में चरमराते नागरिक बुनियादी ढांचे समेत अन्य मुद्दों पर राज्य सरकार को घेरने की तैयारी कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, मंगलुरु में हाल ही में ऑटो रिक्शा विस्फोट का मामला भी एक प्रमुख फ्लैशपॉइंट है जिसको लेकर विधानसभा में हंगामे के आसार हैं।

चीनी अतिक्रमण पर क्या छुपा रहे हैं पीएम : जयराम रमेश

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर (एजेन्सी)। चीनी अतिक्रमण के मुद्दे पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने रविवार को कहा, ऐसी खबरें हैं कि चीनी घुसपैठ पूर्वी क्षेत्र में लगातार हो रही है।

पिछली सरकारों में 1965, 1971 और कारगिल 1999 में पत्रकारों और सांसदों को मोर्चे पर ले जाने का कॉन्फिडेंस था। यहां तक कि डोकलाम पर भी संसदीय स्थायी समिति में चर्चा हुई थी। पीएम भारत की जनता से क्या छुपा रहे हैं? वह चर्चा से क्यों भाग रहे हैं?

उन्होंने कहा कि दो साल की लंबी 'डिसइंगेजमेंट' के बाद चीनियों को तवांग के यांग्त्से क्षेत्र में भारतीय चौकी पर कब्जा करने की कोशिश करने के लिए क्या हौसला बढ़ाया? 1986 में दिवंगत प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने सुमदोरोंग चू टकराव के दौरान वहां सेना तैनात करने के बाद से यांग्त्से पर भारत का वर्चस्व रहा है। अब चीनियों ने नया मोर्चा खोलने का साहस कैसे किया?

रमेश ने आरोप लगाया कि 16 दौर की सैन्य-स्तरीय वार्ता के बाद भी चीनी देपसंग में 18 किमी अंदर तक जमे हुए हैं। भारतीय गश्ती दल इस महत्वपूर्ण सामरिक क्षेत्र में सैकड़ों वर्ग किलोमीटर क्षेत्र तक पहुंचने में असमर्थ हैं। चीन के बढ़ते खतरे के बावजूद हमारी क्षमताओं में महत्वपूर्ण अंतर क्यों बना हुआ है? भारतीय वायु सेना प्रमुख ने कहा है कि वह 42 स्क्वाड्रन की वांछित लड़ाकू शक्ति से 12 स्क्वाड्रन कम हैं। जबकि यूपीए ने 6 स्कॉर्पीन पनडुब्बियों का आदेश दिया था, 6 और पनडुब्बियों के लिए प्रोजेक्ट 75आई में बार-बार देरी हो रही है। अग्निपथ योजना के तहत सेना की भर्ती में तेजी से गिरावट आई है।

कांग्रेस नेता ने पूछा, कुछ समय पहले प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लिए भाईचारा और निकटता व्यक्त की और रिश्ते को 'प्लस वन' बताया। आपने कहा था कि शी ने 'अध्ययन करके रखा था आखिर मोदी चीज क्या है। क्या चीन की नई आक्रामकता इस तरह के करीबी अध्ययन का परिणाम है? क्या ऐसा हो सकता है, जैसा आपने 2013 में कहा था, 'समस्या सीमा पर नहीं है, समस्या दिल्ली में है'?

यूपी के गांव में आए हेपेटाइटिस 'सी' के 2,000 मामले

शामली, 18 दिसम्बर (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के शामली जिले के एक गांव में भूजल में दूषित होने के कारण 2,000 से अधिक लोगों के हेपेटाइटिस 'सी' से पीड़ित होने की खबर है। शामली जिले के मामौर गांव की एक झील ने लोगों को धीरे-धीरे जहरीला बना दिया है क्योंकि कैराना शहर का प्रवाह इस जल निकाय में जाता है।

प्रदूषण ने भूजल पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाला है और मामौर गांव में लोगों को इसने सबसे अधिक प्रभावित किया है।

ग्रामीणों का दावा है कि पिछले एक साल में करीब एक दर्जन लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं पिछले महीने हेपेटाइटिस 'सी' के कारण दो भाइयों, नूर और सलमान की मौत हो गई थी।

त्वचा संबंधी बीमारियों के साथ हेपेटाइटिस 'सी' और कैंसर के मामले भी बढ़ रहे हैं। ग्रामीणों ने दावा किया कि गांव में करीब 250 फीट तक भूजल दूषित हो गया है।

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, पिछले एक साल में हेपेटाइटिस 'सी' के करीब 2,100 मरीज सामने आए हैं और इनमें से ज्यादातर कैराना क्षेत्र से हैं।

जिलाधिकारी (शामली) जसजीत कौर ने बताया, मामौर झील के दूषित पानी के निस्तारण के लिए नमामि गंगे योजना के तहत करीब 38 करोड़ रुपये की लागत से वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बनाया जा रहा है। ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए एटीएम आधारित आरओ वाटर प्लांट लगाया जाएगा।

महाराष्ट्र की राजनीति में फिर भूचाल, भाजपा ने कर दी फडणवीस को मुख्यमंत्री बनाने की मांग

मुंबई, 18 दिसम्बर (एजेन्सी)। भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने रविवार को कहा कि जब तक वह पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष हैं, तब तक राज्य के समग्र विकास के लिये उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री बनना चाहिए। बावनकुले का यह बयान उनके पूर्ववर्ती चंद्रकांत पाटिल के उस बयान के कुछ महीने बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि पार्टी ने भारी मन से फडणवीस के बजाय शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाने का फैसला किया था। चंद्रकांत पाटिल फिलहाल शिंदे नीत सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं।

बावनकुले की टिप्पणी से विपक्षी दलों को मसाला मिल गया है और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (रांकपा) के मुताबिक यह दर्शाता है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नजर में वर्तमान मुख्यमंत्री शिंदे का कोई महत्व नहीं है। नागपुर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में बावनकुले ने कहा, ... जब तक मैं भाजपा की राज्य इकाई का अध्यक्ष हूं, फडणवीस को बनना चाहिए...। लेकिन भाजपा नेता ने वाक्य को अधूरा छोड़ दिया और इसके बाद थोड़ा रुक गये।

दर्शकों में से कई लोगों की ओर से शब्द 'मुख्यमंत्री' का शोर मचाने पर बावनकुले ने अपना भाषण जारी रखते हुए कहा, हम सभी को इस तरीके से काम करने की आवश्यकता है कि उन्हें (फडणवीस) मुख्यमंत्री पद मिल जाए। यह उन्हें पद दिलाने के बारे में नहीं है, बल्कि यह महाराष्ट्र राज्य के समग्र विकास के लिए है। उन्होंने कहा कि यदि कोई एक व्यक्ति महाराष्ट्र के भविष्य को परिभाषित कर सकता है, तो वह देवेंद्र जी हैं। इसके पहले शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने शनिवार को कहा था कि शिंदे की अगुवाई वाली सरकार अगले साल फरवरी तक नहीं टिक पाएगी।

लाल बाजार में अवैध .....

कहा है कि ऐसी खबरें हैं कि दुकान मालिकों ने रुपये दिए हैं। हाम्रो सिक्किम पार्टी इस मामले की भी तत्काल जांच और दोषियों को सजा दिलाने की मांग करती है। हमारी पार्टी सभी समुदायों के लोगों के लिए एक अनुकूल कारोबारी माहौल का समर्थन और प्रचार करती है लेकिन व्यवसाय कानूनी होना चाहिए और एक उचित कानूनी लाइसेंस प्राप्त किया जाना चाहिए। कार्रवाई केवल अवैध कब्जाधारियों पर की जाए और वास्तविक दुकानदारों को परेशान न किया जाए।

डबल इंजन सरकार सिर्फ .....

में 7000 से अधिक स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र स्वीकृत किए गए हैं, जबकि अकेले त्रिपुरा में 1,000 से अधिक आ रहे हैं। ये केंद्र मधुमेह और कैंसर जैसी बीमारियों से पीड़ित हजारों रोगियों की जांच करने में मदद करेंगे।

उन्होंने कहा कि अटल जी की सरकार ने सबसे पहले आदिवासियों के लिए अलग मंत्रालय, अलग बजट की व्यवस्था की। जबसे आपने दिल्ली में हमें अवसर दिया है, तबसे जनजातीय समुदाय से जुड़े हर मुद्दे को हमने प्राथमिकता दी है।

आज डबल इंजन सरकार का प्रयास है कि त्रिपुरा के छोटे किसानों, छोटे उद्यमियों और सबको बेहतर अवसर मिले। यहां का लोकल कैसे ग्लोबल बने इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

गूगल ने हटाए चीन के हजारों यूट्यूब चैनल

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर (एजेन्सी)। गूगल ने पिछले महीने हजारों यूट्यूब चैनलों को हटा दिया, जिनमें 7,599 चैनल, 1 ऐडसेंस अकाउंट और 3 ब्लॉगर ब्लॉग शामिल हैं, जो चीन से जुड़े हुए बताए जा रहे हैं। ये यूट्यूब चैनल और ब्लॉग ज्यादातर म्यूजिक, मनोरंजन और लाइफस्टाइल के बारे में चीनी भाषा में स्पैम वाले कंटेट अपलोड करते थे।

कंपनी ने कहा, चीन और अमेरिका के विदेश मामलों के बारे में चीनी और अंग्रेजी में एक बहुत छोटा सबसेट अपलोड किया गया कंटेट है।

कंपनी ने 3 यूट्यूब चैनलों को भी समाप्त कर दिया, जो चीनी भाषा में सनसनीखेज कंटेट साझा करते थे, जो यूक्रेन युद्ध और मुख्य भूमि चीन और ताइवान के बीच संबंधों के बारे में था।

कंपनी ने अजरबैजान से जुड़े समन्वित प्रभाव संचालन और ब्राजील में 57 यूट्यूब चैनलों की जांच के तहत 515 यूट्यूब चैनलों को भी समाप्त कर दिया।

गूगल ने कहा, हमने 1 ऐडसेंस अकाउंट को समाप्त कर दिया और 1 डोमेन को चीन से जुड़े समन्वित प्रभाव संचालन में हमारी जांच के भाग के रूप में गूगल न्यूज पर प्रदर्शित होने से रोक दिया।

गूगल के स्वामित्व वाले यूट्यूब ने पिछले महीने कहा कि उसने अपनी तीसरी तिमाही (क्यू3) रिपोर्ट में अपने सामुदायिक दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने के लिए भारत में 1.7 मिलियन से अधिक वीडियो हटा दिए।

इसी अवधि में, स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने अपने सामुदायिक दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने के लिए विश्व स्तर पर 5.6 मिलियन से अधिक वीडियो हटा दिए।

फेल होने के डर से 2021 में 13,089 छात्रों ने की आत्महत्या

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर (एजेन्सी)। देश के कोचिंग हब कोटा (राजस्थान) में मेडिसिन या इंजीनियरिंग में करियर बनाने के इच्छुक छात्रों द्वारा आत्महत्या के हालिया मामलों ने भले ही कड़ी प्रतिस्पर्धा और अंतहीन दबाव पर बहस छेड़ दी हो, लेकिन ये इक्का-दुक्का घटनाएं नहीं हैं।

देश भर से ऐसे कई उदाहरण हैं जहां युवाओं ने अकादमिक करियर में उत्कृष्टता हासिल करने की इच्छा रखते हुए विभिन्न कारणों से हार मान ली और अपनी जीवन समाप्त कर ली।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा जारी आत्महत्या पर केंद्रीकृत डेटा से पता चला है कि हाल के वर्षों में छात्रों की आत्महत्या की घटनाओं में वृद्धि हुई है।

छात्रों द्वारा आत्महत्या के 13,089 मामलों के साथ नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि 2020 की तुलना में 2021 में इसकी संख्या में लगभग 4.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। उनमें से लगभग आधे पांच राज्यों महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक और ओडिशा से हैं।

आंकड़ों के अनुसार छात्रों द्वारा की गई आत्महत्याओं में से 14.0 प्रतिशत (1,834) महाराष्ट्र में, मध्य प्रदेश में 10.0 प्रतिशत (1,308), तमिलनाडु में 9.5 प्रतिशत (1,246) और कर्नाटक में 6.5 (855) प्रतिशत दर्ज की गई।

हालांकि रिपोर्ट में आत्महत्या के पीछे किसी विशेष कारण का जिक्र नहीं है, लेकिन इसमें कहा गया है कि 'परीक्षा में असफलता' एक कारण है।

8 सितंबर को 22 वर्षीय मेडिकल आकांक्षी छात्रा ने एक टावर की उन्नीसवीं मंजिल से कूदकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। क्योंकि वह राष्ट्रीय पात्रता प्रवेश परीक्षा परीक्षा को पास नहीं कर पाई थी। यह घटना ग्रेटर नोएडा के सेक्टर 151 में जेपी अमन सोसाइटी की है। रिपोर्ट के अनुसार प्रारंभिक जांच से पता चला है कि लड़की अपने नीट के परिणाम से नाखुश थी।

इसी तरह की एक घटना में चेन्नई की एक 19 वर्षीय लड़की ने कथित तौर पर तमिलनाडु के अंबत्तूर में नीट परीक्षा में असफल होने के बाद आत्महत्या कर ली। रिजल्ट घोषित होने के कुछ घंटे बाद ही छात्रा ने यह कदम उठाया।

30 जून को नीट में फेल होने के डर से एक मेडिकल उम्मीदवार ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। चूलाइमेडु (तमिलनाडु) की 19 वर्षीय युवती मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रही थी।

इसी तरह 30 अप्रैल को, मध्य प्रदेश के बालाघाट और टीकमगढ़ जिलों में 17 वर्षीय दो लड़कियों ने 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में असफल होने के बाद आत्महत्या कर ली।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अनुसार सरकार और यूजीसी ने छात्रों के उत्पीड़न और भेदभाव की घटनाओं की जांच के लिए कई पहल की है। छात्रों के हितों की रक्षा के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (छात्रों की शिकायतों का निवारण) विनियम, 2019 तैयार किया गया है।

यूजीसी ने 'उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिंग के खतरे को रोकने पर यूजीसी विनियम, 2009' को भी अधिसूचित किया है और विनियमों के सख्त अनुपालन के लिए परिपत्र जारी किया है।

इसके अलावा मंत्रालय ने अकादमिक तनाव को कम करने के लिए छात्रों के लिए सहकर्मी सहायता सीखने, क्षेत्रीय भाषाओं में तकनीकी शिक्षा की शुरुआत जैसे कई कदम उठाए हैं।

सरकार की मनोदर्पण पहल, छात्रों, शिक्षकों और परिवारों को कोविड प्रकोप और उसके बाद के दौरान मानसिक और भावनात्मक कल्याण के लिए मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करने के लिए शुरू की गई है।

इसके अलावा संस्थाएं हैप्पीनेस और वेलनेस पर कार्यशालाएं/सेमिनार, योग पर नियमित सत्र, इंडक्शन प्रोग्राम, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों सहित पाठ्येतर गतिविधियां और समग्र व्यक्तित्व विकास और छात्रों को तनाव मुक्त करने के लिए छात्र परामर्शदाताओं की नियुक्ति करती हैं।

इसके अलावा छात्रों, वार्डन और देखभाल करने वालों को छात्रों में अवसाद के लक्षणों को नोटिस करने के लिए संवेदनशील बनाया जाता है ताकि समय पर नैदानिक परामर्श प्रदान किया जा सके।

सीओपी15 में भारत की अपील : नेचर फंडिंग को बढ़ावा दिया जाए

मॉन्ट्रियल, 18 दिसम्बर (एजेन्सी)। भारत के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने उम्मीद जताई है कि संयुक्त राष्ट्र जैव विविधता शिखर सम्मेलन, जिसे सीओपी15 कहा जाता है, 2020 के बाद वैश्विक जैव विविधता रूपरेखा को लागू करने पर आम सहमति तक पहुंच जाएगा।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने मॉन्ट्रियल में प्लेनरी में कहा कि सामाजिक आर्थिक विकास और लोगों की भलाई के लिए और वैश्विक स्थिरता को आगे बढ़ाने के लिए पारिस्थितिकी तंत्र में गिरावट को रोकना और वैश्विक जैव विविधता के नुकसान को रोकना आवश्यक है।

यादव ने शनिवार को एक ब्लॉग में लिखा, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी समृद्ध जैव विविधता को बहाल करने और संरक्षित करने की दिशा में काम कर रहा है, जिसमें वनस्पतियों और जीवों की दुनिया का सबसे समृद्ध मिश्रण शामिल है। भारत जैव विविधता संरक्षण के लिए जानकारी साझा करने और प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान के लिए अन्य देशों के साथ मिलकर काम कर रहा है।

अगले दशक के लिए जैव विविधता और प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र के संरक्षण और सतत प्रबंधन के लिए एक वैश्विक रोडमैप तैयार करने के उद्देश्य से लगभग 200 हस्ताक्षरकर्ता देशों को एक साथ लाने वाले पूर्ण सत्र में केंद्रीय मंत्री ने भारत की स्थिति को रेखांकित किया, जहां वैश्विक जैव विविधता ढांचे में निर्धारित लक्ष्य महत्वाकांक्षी होने चाहिए, वह यथार्थवादी और व्यावहारिक भी होने चाहिए।

जैव विविधता का संरक्षण भी सामान्य लेकिन अलग-अलग जिम्मेदारियों और संबंधित क्षमताओं पर आधारित होना चाहिए, क्योंकि जलवायु परिवर्तन का जैव विविधता पर भी प्रभाव पड़ता है।

उन्होंने कहा, 'मैंने दोहराया कि विकासशील देशों में ग्रामीण समुदायों के लिए कृषि एक सर्वोपरि आर्थिक चालक है, और इन क्षेत्रों को प्रदान की जाने वाली महत्वपूर्ण सहायता को पुनर्निर्देशित नहीं किया जा सकता। भारत में अधिकांश ग्रामीण आबादी कृषि और संबद्ध क्षेत्रों पर निर्भर है और माननीय पीएम मोदी जी की सरकार मुख्य रूप से किसानों की आजीविका का समर्थन करने के लिए बीज, उर्वरक, सिंचाई, बिजली, निर्यात, ऋण, कृषि उपकरण, कृषि बुनियादी ढांचे सहित विभिन्न प्रकार की सब्सिडी प्रदान करती है।'

उन्होंने कहा, 'भारत कृषि संबंधी सब्सिडी को कम करने और जैव विविधता संरक्षण के लिए बचत को पुनर्निर्देशित करने के लिए सहमत नहीं है, क्योंकि कई अन्य राष्ट्रीय प्राथमिकताएं हैं। जब विकासशील देशों के लिए खाद्य सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है, तो पेस्टिसाइड में कमी के लिए संख्यात्मक लक्ष्यों को निर्धारित करना अनावश्यक है और इसे राष्ट्रीय परिस्थितियों, प्राथमिकताओं और क्षमताओं के आधार पर निर्णय लेने के लिए देशों पर छोड़ देना चाहिए।'

'जैव विविधता संरक्षण के लिए पारिस्थितिक तंत्र को समग्र रूप से और एकीकृत तरीके से संरक्षित और पुनर्स्थापित करने की आवश्यकता है। यह इस संदर्भ में है कि जैव विविधता के संरक्षण के लिए पारिस्थितिकी तंत्र ऑप्टिकोण को प्रकृति-आधारित समाधानों के लिए जाने के बजाय अपनाने की जरूरत है। समझौते को लागू करने का अधिकांश बोझ विकासशील देशों पर पड़ता है, लेकिन इसके लाभ वैश्विक हैं।

इसी तरह, नई तकनीकों और जैव विविधता डेटा की उपलब्धता अभी भी असमान है। अधिकांश मेगा विविध देश जो वैश्विक जैव विविधता को आश्रय देते हैं, उन्हें प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के साथ-साथ पर्याप्त धन की जरूरत होती है।'

यादव ने कहा कि इस पृष्ठभूमि में सबसे महत्वपूर्ण चुनौती वैश्विक जैव विविधता ढांचे के कार्यान्वयन के लिए आवश्यक संसाधनों की है। अधिक महत्वाकांक्षा का अर्थ है, अधिक लागत और इस लागत का बोझ असमान रूप से उन देशों पर पड़ता है जो उन्हें कम से कम वहन करते हैं।

उन्होंने कहा, विकासशील देशों के दलों को वित्तीय संसाधनों के प्रावधान के लिए एक नया और समर्पित तंत्र बनाने की जरूरत है।

इस तरह के फंड को जल्द से जल्द चालू करने की आवश्यकता का समर्थन करते हुए उन्होंने कहा कि यह सभी देशों द्वारा पोस्ट ग्लोबल बायोडायवर्सिटी फ्रेमवर्क के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करेगा।

उन्होंने लिखा, मैंने एक बार फिर कहा कि भारत सभी पक्षों के साथ मिलकर काम करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है ताकि हम सभी सीओपी15 में एक महत्वाकांक्षी और यथार्थवादी वैश्विक जैव विविधता रूपरेखा तैयार कर सकें।

जैविक विविधता पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (सीबीडी) के लिए दलों का 15वां सम्मेलन (सीओपी15) दुनियाभर की सरकारों को एक साथ लाने वाली एक अंतर्राष्ट्रीय बैठक है। प्रतिभागी नए लक्ष्य निर्धारित करेंगे और अगले दशक में प्रकृति के लिए एक कार्य योजना विकसित करेंगे। कनाडा की सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि सीओपी15 प्रकृति के लिए सफल हो।

शनिवार को स्टॉकटेकिंग ख्लेनरी के दौरान, सभी समूह 2030 तक सालाना 200 बिलियन डॉलर के समझौते में कमोबेश थे और इसमें अंतर्राष्ट्रीय, घरेलू, सार्वजनिक और निजी सभी स्रोतों से फंडिंग शामिल होगी।

विकासशील देशों में अंतर्राष्ट्रीय प्रवाह के संबंध में, वाताकारों को एक अच्छा संकेत मिला कि वृद्धि की जरूरत है और इसे मूर्त रूप दिया जाना चाहिए। लेकिन जैव विविधता वित्त पर वास्तुकला के सवाल पर अभी भी व्यापक विचार हैं। कुछ दल मौजूदा फंडिग संरचना के बाहर एक स्टैंड-अलोन फंड की स्थापना का पक्ष लेंगी। अन्य मौजूदा फंडिग तंत्र में सुधार करना चाहते हैं और कुछ भी नया स्थापित करने के पक्ष में नहीं हैं।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR DAMODAR MORNING
SUNDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:107 DrawDate on:18/12/22
1st Prize ₹1 Crore/- 56B 06167
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 06167 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
12779 35588 41369 50244 53373 54508 68104 72080 83562 89601
3rd Prize ₹450/-
0690 2967 3595 5490 5605 6238 7277 7380 8048 8249
4th Prize ₹250/-
1284 2092 2230 3132 4264 4501 6173 6398 7061 8498
5th Prize ₹120/-
0079 0096 0100 0170 0278 0377 0381 0433 0541 0554
0935 1376 1468 1501 1873 1963 1993 2041 2075 2138
2268 2350 2436 2437 2467 2612 2731 2788 2932 3000
3078 3122 3146 3168 3334 3457 3609 3640 3909 4141
4155 4177 4250 4680 4766 4834 4887 4964 4987 5539
5544 5621 5819 5829 5927 5953 6125 6127 6183 6203
6294 6421 6600 6652 6696 6817 6821 6857 6942 6999
7158 7382 7405 7579 7603 7920 7977 8053 8287 8294
8395 8512 8614 8712 8799 9004 9221 9236 9293 9295
9303 9324 9359 9481 9532 9533 9666 9670 9773 9828
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR JUPITER SUNDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:107 DrawDate on:18/12/22
1st Prize ₹1 Crore/- 88H 82615
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 82615 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
06081 19192 24641 44201 49612 58065 62232 76977 85983 92847
3rd Prize ₹450/-
0620 1794 1800 2587 3869 4602 5445 5789 7509 9923
4th Prize ₹250/-
1524 2806 3872 4814 5163 5480 7507 7586 8596 8681
5th Prize ₹120/-
0059 0191 0245 0282 0332 0334 0428 0514 0535 0712
0936 1073 1103 1262 1333 2160 2187 2280 2349 2372
2439 2469 2499 2528 2595 2640 2701 2814 2880 2930
3054 3142 3149 3150 3182 3223 3331 3549 3558 3576
3683 3694 3765 3769 3779 3996 4247 4298 4328 4525
4585 4699 5241 5389 5528 5599 5667 5685 5781 5888
5962 6015 6016 6024 6118 6119 6154 6200 6242 6318
6588 6647 6782 7008 7124 7341 7429 7444 7656 7759
7881 7980 8191 8272 8363 8445 8487 8585 8819 8849
8886 9068 9104 9258 9262 9505 9516 9611 9704 9916
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR HAWK EVENING
SUNDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:207 DrawDate on:18/12/22
1st Prize ₹1 Crore/- 92L 10353
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 10353 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
39905 49930 55949 61546 63070 63562 66077 73026 85299 90192
3rd Prize ₹450/-
0738 1090 1508 4739 6434 7410 7435 8752 9431 9941
4th Prize ₹250/-
0251 0808 1460 2384 3226 3572 5907 6154 8069 8091
5th Prize ₹120/-
0111 0198 0368 0593 0770 0794 0830 0939 1136 1224
1446 1463 1735 1910 1913 1928 2067 2252 2328 2461
2611 2808 2823 2837 2880 2972 2993 3036 3299 3486
3588 3627 3657 3805 3918 3937 3964 3973 3974 3979
4037 4193 4341 4433 4514 4521 4650 4691 4747 4828
5082 5139 5216 5348 5391 5544 5607 5752 6100 6148
6181 6268 6290 6338 6394 6457 6526 6655 6760 6933
7037 7132 7158 7183 7299 7625 7755 7837 7910 7947
8030 8169 8218 8244 8316 8401 8424 8698 8893 8913
9057 9064 9403 9461 9528 9538 9569 9624 9697 9812
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

सिनेमा की शक्ति

बॉलिवुड के दो सबसे बड़े सितारे, अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान गुरुवार को एक मंच पर थे। कोलकाता इंटरनैशनल फिल्म फेस्टिवल के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए दोनों में से किसी ने भी हालिया विवादों का सीधे तौर पर जिक्र नहीं किया, लेकिन सशक्त अंदाज में मौजूदा दौर की उन प्रवृत्तियों को रेखांकित कर गए, जो देश में सिनेमाई रचनात्मकता के मार्ग में एक बड़ी बाधा के रूप में देखी जा रही है। शाहरुख खान की आने वाली फिल्म 'पठान' के गाने को लेकर उठा वह विवाद तो इन खतरों का सिर्फ एक पहलू है, जिसमें गाने को भगवे का अपमान बताया जा रहा है। कथित फ्रिंज एलीमेंट्स की बात तो छोड़िए, एक राज्य के गृहमंत्री तक ने गाने को आपत्तिजनक बताते हुए कहा है कि दीपिका कुछ साल पहले जेएनयू जाकर टुकड़े-टुकड़े गैंग का समर्थन करके अपनी मानसिकता का परिचय दे चुकी हैं। समझा जा सकता है कि किसी फिल्म का या उसमें दिखाए गए किसी शॉट का मूल्यांकन करने के लिए आज सरकार से जुड़े लोग भी किस-किस तरह की कसौटियां आजमा रहे हैं। यही कारण है कि बॉलिवुड में किसी भी नए प्रॉजेक्ट के लिए विषय का चयन एक बड़ी समस्या बन गया है। कोई नहीं जानता कि किस विषय से जुड़े किस पहलू को उभार कर फिल्म को विवादों में घसीट लिया जाएगा।

मौजूदा विवाद में भी इस फिल्म को प्रदर्शित करने वाले सिनेमा हॉल को जलाने तक का आह्वान खुलेआम किया जा रहा है, लेकिन अभी तक उन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किए जाने की कोई सूचना नहीं है।

फिर भी, यह उन खतरों का सिर्फ एक पहलू है। अपराध की छोटी-बड़ी घटनाओं के सहारे पूरी फिल्म इंडस्ट्री को बदनाम करने का ट्रेंड भी कुछ समय से काफी मजबूत होता दिखा है। चूंकि फिल्म इंडस्ट्री का अस्तित्व काफी हद तक समाज के बड़े हिस्से की फैन फॉलोविंग पर भी निर्भर करता है, इसलिए उसकी या उससे जुड़े व्यक्तित्वों की छवि पर हमला उसके रेवेन्यू मॉडल पर हमला है, जिसे हलके में लेना खुद इस इंडस्ट्री के लिए घातक हो सकता है। इन खतरों का तीसरा रूप है इंडस्ट्री के अंदर देखा जा रहा वैचारिक विभाजन। हालांकि विचार रचनात्मकता को धार देने वाली चीज है, इसलिए वैचारिक आग्रह पहली नजर में नेगेटिव नहीं माने जा सकते, लेकिन इस समय दिख रहे विभाजन की खासियत यह है कि इसमें रचनात्मकता को ही ताक पर रख दिया गया है।

वरना ऐसा नहीं होता कि गोवा फिल्म फेस्टिवल के लिए देश से भेजी गई फिल्म को जूरी का अध्यक्ष सार्वजनिक रूप से वल्गर और प्रोपेगैंडा फिल्म बताता, पूरी जूरी उसके बयान के साथ खड़ी होती और हमारी फिल्म इंडस्ट्री शर्मिंदा होने के बजाय विरोधी और समर्थक में बंटी एक-दूसरे पर हमला करती नजर आती। जाहिर है, सिनेमा के अपने सॉफ्ट पॉवर को अगर हमें सुरक्षित रखना है तो यह सूरते हाल बदलना होगा।

हिन्दुत्व और इतिहास के सबक

रामचंद्र गुहा

हरिजन पत्रिका ने 30 नवंबर, 1947 के अपने अंक में भारतीय नागरिक बन चुकीं एक अंग्रेज महिला की एक अपील प्रकाशित की थी। उन्होंने लिखा, 'बाईस बरस पहले एक भटकती हुई पथिक के रूप में मैंने भारत में अपनी आत्मा को दोबारा हासिल किया। भारत जिसके इतिहास के कल्प, आध्यात्मिक भव्यता के महाकाव्यों में खुद को दोहरा रहे थे। असीम प्रेरणा और उत्साह के साथ मैं उम्मीद की रोशनी में डूबने लगी, जो कि युद्धग्रस्त डूबती दुनिया में उसके समक्ष प्रकट हो रही थी। बापू में मुझे मार्गदर्शक सितारा मिला; हिंदुइज्म (हिंदुवाद) में मुझे सत्य शब्द मिला; भारत में मां।' इसके बाद उन्होंने लिखा, 'मुझे नहीं पता था कि बाईस साल बाद मुझे मां के स्तनों को फटे हुए और अपने ही बच्चों द्वारा लगाए गए जख्मों से खून बहते हुए देखना होगा और सत्य शब्द उन्हीं लोगों द्वारा कुचल दिया जाएगा, जो कि खुद को हिन्दू कहते हैं।'

यह दुखी भारतीय थीं, मीरा बेन, जो कि एक अंग्रेज एडमिरल की बेटी थीं और गांधी के साथ काम करने के लिए नवंबर, 1925 में भारत आई थीं। वह अपने बापू के साथ साबरमती और सेवाग्राम आश्रमों में रहीं, भारत की स्वतंत्रता को लेकर युनाइड किंगडम तथा अमेरिका की यात्राएं कीं और अपने अपनाए गए देश के लिए कई बार लंबी अवधि तक जेल में रहीं। यह सब करते हुए उन्होंने खुद को सैद्धांतिक और व्यावहारिक रूप से छुआछूत को खत्म करने, खादी को बढ़ावा देने और हिन्दू-मुस्लिम सद्भाव कायम करने जैसे गांधीवादी विचारों के लिए समर्पित कर दिया था।

मीरा द्वारा लिखी गई अपील विशेष रूप से इनमें से अंतिम विचारों को संबोधित थे। उपमहाद्वीप के विभाजन के पहले और उसके बाद दंगे भड़क उठे थे जिनमें हिन्दू, मुस्लिम और सिख ये सभी पीड़ित भी थे और अपराधी भी। मीरा के गुरु, गांधी, हिंसा को रोकने के लिए वीरतापूर्वक काम कर रहे थे। सितंबर में, कलकत्ता में शांति स्थापित करने के बाद, वह दिल्ली की ओर आगे बढ़े, जहां स्थिति खतरनाक थी, क्योंकि विभाजन के कारण विस्थापित होने वाले हिन्दू और सिख शरणार्थी तब दिल्ली में ही रह रहे मुस्लिमों से बदला लेना चाहते थे। गांधी यह उम्मीद कर रहे थे कि उत्तर भारत में मुस्लिम अल्पसंख्यकों की सुरक्षा कायम करने के बाद वह सीमा पार कर पाकिस्तान में ही रह गए हिन्दुओं और सिखों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए काम करेंगे।

हालांकि दिल्ली और उसके आसपास शांति कायम करना गांधी ने जैसा सोचा था, उससे कहीं अधिक मुश्किल साबित हुआ था। पहले से नाराज हिन्दू और सिख शरणार्थियों की भावनाओं को भड़काने में हिन्दू महासभा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे उग्र संगठनों ने मदद की, जो कि पहले से भारत में रहने वाले मुस्लिमों के प्रति घृणा फैलाने में लगे हुए थे। दिल्ली पुलिस की 24 अक्तूबर, 1947 की एक रिपोर्ट में आरएसएस के बारे में यह लिखा गया: 'संघ के कार्यकर्ताओं के मुताबिक मुस्लिम तभी भारत छोड़ेंगे, जब उनके पूर्ण उन्मूलन के लिए एक और आंदोलन चलाया जाए, जैसा कि कुछ समय पूर्व दिल्ली में चलाया गया था...वे इसके लिए महात्मा गांधी के दिल्ली से प्रस्थान करने का इंतजार कर रहे थे, क्योंकि वह मानते थे कि जब तक महात्मा दिल्ली में रहेंगे, तब तक वह अपनी योजना पर अमल नहीं कर सकते।' और 15 नवंबर, 1947 की खुफिया ब्यूरो की एक रिपोर्ट कहती है: 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता, विशेष रूप से पश्चिम पंजाब से आए शरणार्थी दिवाली के बाद दिल्ली में सांप्रदायिक गड़बड़ी करना चाहते हैं। उनका कहना है कि उन्हें दिल्ली में मुसलमानों का आना-जाना बर्दाश्त नहीं...।'

अक्तूबर और नवंबर, 1947 के महीनों के दौरान मीरा दिल्ली में रह रही थीं, जब यह घृणा से भरी विचारधारा अधिक से अधिक हिन्दुओं के मन में जड़ें जमा रही थी। इसे रोकने के लिए उन्होंने सामान्य तौर पर भारतीयों और विशेष रूप से हिन्दुओं के लिए अपील जारी की। उन्होंने पूछा, 'क्या इसी के लिए हमने अपनी आजादी हासिल की? इन धार्मिक कट्टरपंथियों का खुद को 'हिन्दू' कहने का आखिर खेल क्या था?'

अगर वे सफल हो गए, तो वे किस तरह का देश बनाएंगे? मीरा ने लिखा, 'जिस भारत का सपना हिन्दू चरमपंथियों ने देखा था, वह स्वयंभू, और खुद को श्रेष्ठ बताने वाली एक नस्ल से आबाद होगा, जिसकी आध्यात्मिक असहिष्णुता सच्चे हिन्दू धर्म का नकार होगी। सभी मुस्लिमों को उनके पुश्तैनी घरों से बेरहमी से उखाड़ फेंका जाएगा और बाहर निकाल दिया जाएगा, और इस स्थिति में यह हैरत की बात होगी कि अन्य गैर-हिन्दुओं का भी वही हश्र न हो।'

मीरा ने अपनी अपील का समापन इस तरह से किया: 'लेकिन मेरा दिल और दिमाग इस प्रतिकूल तस्वीर को अपरिहार्य मानने से इनकार करता है। हिन्दू प्रकृति पहले अपना संतुलन फिर से हासिल करेगी, और महसूस करेगी कि कट्टर लोगों के समूह द्वारा उसे अंधेरे में धकेला गया है, जो कि घृणा से भरकर जहरीले हो गए हैं। किसी बुराई को मात देने का यह कोई उपाय नहीं है। जनता को ठहरकर सोचना चाहिए कि उसके साथ क्या हो रहा है। कट्टर प्रचार के प्रभाव में वे उन महान नेताओं को अंधाधुंध गाली दे रहे हैं, जिन्होंने उन्हें निराशा के दलदल से निकालकर स्वतंत्रता की बुलंदियों पर पहुंचाया। यदि उन्होंने आज उन लोगों पर ध्यान नहीं दिया, तो वे ढलान से फिसलकर अंधेरे रसातल में चले जाएंगे।'

अपने साथी भारतीयों के लिए मीरा की यह अपील 1947 के आखिरी हफ्तों में प्रकाशित हुई थी। पचहत्तर साल बाद मैं जब यह आलेख लिख रहा हूं, उनकी यह अपील आज हम जिस देश में रहे हैं, वहां भी प्रासंगिक है। उनके बयान के ये शब्द, 'सत्य के वचन को उन्हीं लोगों ने अपने पैरों तले कुचला है, जो खुद को हिन्दू कहते हैं', भाजपा की आईटी सेल की गतिविधियों पर अक्षरश: लागू होते हैं। काल्पनिक हिन्दुत्व राष्ट्र का उनका वर्णन, 'स्वयंभू, और खुद को श्रेष्ठ बताने वाली एक नस्ल से आबाद, जिसकी आध्यात्मिक असहिष्णुता सच्चे हिन्दू धर्म का नकार होगी', आज भारत में सत्तारूढ़ पार्टी की विचारधारा को पूरी तरह से प्रतिबिंबित करता है।

क्या हिन्दू मन फिर से अपना संतुलन हासिल कर सकता है, अपने धार्मिक और राजनीतिक वर्चस्व में विश्वास छोड़ सकता है, और वास्तव में स्वतंत्रता संग्राम के धर्मनिरपेक्ष और बहुलतावादी आदर्शों को अपना सकता है? 1947-48 में ऐसा कर पाने में वह दो कारणों से सफल हुआ; पहला गांधी के एक उपवास से, जिसमें 78 साल के बूढ़े शख्स ने सांप्रदायिक सौहार्द कायम करने के लिए असाधारण नैतिक और शारीरिक साहस दिखाकर दिल्ली के नागरिकों को शर्मिंदा किया था; और दूसरा है, गांधी की हत्या, जिसने हर जगह हिन्दुओं को शर्मिंदा किया और वे आरएसएस तथा महासभा से कन्नी काटने लगे।

आम हिन्दुओं को शर्मिंदा करने के अलावा गांधी की हत्या का एक महत्वपूर्ण प्रभाव यह पड़ा कि उसने जवाहरलाल नेहरू और वल्लभभाई पटेल को एक साथ ला दिया। स्वतंत्रता मिलने के बाद के कुछ महीनों में प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के बीच संबंध मधुर नहीं रहे थे; हालांकि, अपने गुरु की हत्या के बाद, उन्होंने अपने मतभेदों को दफना दिया। भाजपा के प्रचारक कितनी भी कोशिश कर लें, वे इस ऐतिहासिक सच्चाई को मिटा नहीं सकते कि 1948 से 1950 के उन महत्वपूर्ण वर्षों में नेहरू और पटेल प्रतिद्वंद्वी नहीं, साथी थे।

गांधी के उपवास, गांधी की हत्या, और नेहरू और पटेल के एक साथ आने, इन सभी ने भारतीय स्वतंत्रता के उन पहले, भयावह वर्षों में हिन्दुत्व की ताकतों को परास्त करने में अपनी भूमिका निभाई। क्या उस अतीत से हमारे विवादास्पद वर्तमान के लिए कोई सबक है?

कांग्रेस को आप से भी पार पाना होगा

राज कु. सिंह

सत्ता तो थी ही नहीं, पर आम आदमी पार्टी ने एक और राज्य में कांग्रेस के पैरों तले से जमीन छीन ली।

बात गुजरात की हो रही है, जहां पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने सत्तारूढ़ भाजपा को कड़ी टक्कर दी थी। पाटीदार आंदोलन के साये में हुए उन चुनावों में 182 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा 99 सीटों पर सिमट गई थी और कांग्रेस 77 सीटें जीतने में सफल रही थी। कई राजनीतिक प्रेक्षकों का मानना था कि अगर कांग्रेस ने समय से चुनावी बिसात बिछाई होती तो शायद भाजपा को उसके महानायक नरेन्द्र मोदी के गृह राज्य में ही मात देने का करिश्मा कर पाती। पर अब हालिया विधानसभा चुनावों में भाजपा जिस तरह 27 साल बाद भी सत्ता बरकरार रखते हुए 156 सीटें जीतने का इतिहास रचने में सफल रही है, उससे तो कांग्रेस की राजनीतिक सोच और चुनावी समझ पर ही सवालिया निशान लग गया है।

मुफ्त-रेवड़ियों की राजनीति में माहिर आप को 2017 के गुजरात विधानसभा चुनाव में एक प्रतिशत मत भी नहीं मिले थे। उसके बावजूद वह वहां स्थानीय चुनावों समेत हर संभव मौके पर हाथ-पैर मारती रही, लेकिन भाजपा से मात्र 22 सीटें पीछे रह गई कांग्रेस पिछले पांच साल में जमीन पर कहीं नजर नहीं आई। कांग्रेस की राजनीतिक निष्क्रियता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पिछले विधानसभा चुनावों में अल्पेश ठाकुर, हार्दिक पटेल और जिग्नेश मेवानी की जिस युवा तिकड़ी की बदौलत वह भाजपा को जबर्दस्त चुनौती देने में सफल रही थी, उसके पहले दो चेहरे इस चुनाव में भाजपा के पाले में खड़े नजर आए। हार्दिक पटेल को तो कांग्रेस ने प्रदेश का कार्यकारी अध्यक्ष भी बनाया था।

बेशक, आप किसी को बंधक बना कर नहीं रख सकते। राजनेता भी समय और सुविधा के अनुसार पाला बदलते ही हैं। आखिर, गोवा में शपथ पत्र भरने के बावजूद कांग्रेस के आठ विधायक चुनाव के कुछ महीने बाद पाला बदल ही गए। इसलिए असल सवाल समय और राजनीति की नब्ज पर कांग्रेस की पकड़ का है। हार्दिक तो चुनाव से कुछ पहले ही गए, पर अल्पेश तो बहुत पहले चले गए थे। न भी जाते तो पिछले चुनाव में बहुमत से मात्र 15 सीटें पीछे रह गए दल को अगले चुनाव के लिए जैसी मेहनत और तैयारी करनी चाहिए थी, वह करती कांग्रेस कभी नजर नहीं आई। गुजरात कांग्रेस में मची भगदड़ का यह भी एक बड़ा कारण रहा। देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल को अपनी दशा-दिशा की चिंता न भी हो, पर उसके नेताओं-कार्यकर्ताओं को तो रहेगी ही। पिछले चुनाव परिणाम के मद्देनजर सामान्य राजनीतिक समझ के अनुसार भी कांग्रेस की प्राथमिकता में गुजरात सबसे ऊपर होना चाहिए था। इसलिए भी कि वह मोदी का गृह राज्य है, जहां के प्रतिकूल जनादेश का संदेश दूरगामी साबित होता, पर कांग्रेस की अगंभीरता का आलम यह रहा कि बहुप्रचारित भारत जोड़ो यात्रा तो वहां से गुजरी ही नहीं, खुद राहुल गांधी भी महज एक दिन का समय निकाल कर दो रैलियां करने गए। उसके विपरीत आप ने न सिर्फ स्थानीय सामाजिक समीकरणों को समझ कर बिसात बिछाई और कांग्रेस के आदिवासी मतों में सेंध लगाने में सफल रही, बल्कि अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसौदिया समेत उसके पास उपलब्ध तमाम दिग्गज वहां प्रचार करते भी नजर आए। संभव है कि आप मीडिया का ज्यादा आकर्षण पा गई हो, पर जो जमीन पर दिखेगा, उसे ही दिखाया जाएगा। मीडिया कवरेज दे सकता, पर वोट नहीं दिलवा सकता-इस वास्तविकता से मुंह चुराना राजनीतिक परिपक्वता तो हरगिज नहीं।

गुजरात में अपने शर्मनाक प्रदर्शन के लिए कांग्रेस केजरीवाल की आप और असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम द्वारा वोट काटे जाने को जिम्मेदार ठहराते हुए उन पर भाजपा की मदद का आरोप लगा रही है, पर यह अर्धसत्य ही है। एआईएमआईएम 13 सीटों पर लड़ने के बावजूद खाता नहीं खोल पाई। उसका मत प्रतिशत भी ऐसा नहीं रहा कि हार-जीत में निर्णायक भूमिका निभा सके। हां, आप अवश्य 13 प्रतिशत मत हासिल करते हुए पांच सीटें जीतने में सफल रही। स्वाभाविक ही आप और एआईएमआईएम को मिले मत भाजपा विरोधी मतों का हिस्सा रहे होंगे। यह भी कि अगर ये दोनों दल चुनाव मैदान में नहीं होते तो कांग्रेस की ऐसी दुर्गति नहीं होती, पर तब भी भाजपा सत्ता से बेदखल तो हरगिज नहीं हो जाती। भाजपा को हराने के लिए तो पहले कांग्रेस को कमर कसनी थी, जो उसने नहीं कसी-कारण जो भी रहे हों। कांग्रेस की यह सोच स्वयं में अलोकतांत्रिक है कि भाजपा विरोधी मतों में बंटवारा रोकने की खातिर अन्य दलों को चुनाव मैदान में नहीं उतरना चाहिए। अगर ऐसा है तो फिर कांग्रेस पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में चुनाव क्यों लड़ती है? महागठबंधन का अंग होते हुए भी बिहार में उसके हैसियत से ज्यादा सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ने का परिणाम क्या निकला था? यह भी कि हालिया दिल्ली नगर निगम चुनाव लड़ कर कांग्रेस ने अंतत: किसे फायदा पहुंचाया? जाहिर है, भारत में बहुदलीय लोकतंत्र है। सभी राजनीतिक दलों ही नहीं, निर्दलियों को भी चुनाव लड़ने का अधिकार है। नहीं भूलना चाहिए कि सत्ता विरोधी मतों में ऐसे ही बंटबारे की बदौलत भी कांग्रेस दशकों तक देश और प्रदेशों में सत्ता पर काबिज रही।

दरअसल, कांग्रेस दीवार पर लिखी इस स्पष्ट इबारत को भी नहीं पढ़ना चाहती कि देश की राजनीति में वह अब हाशिये पर जा चुकी है। हिमाचल प्रदेश में सत्ता छीन लेने के बावजूद यही वास्तविकता है कि कांग्रेस अकेले दम भाजपा को नहीं हरा सकती। हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ ही ऐसे राज्य हैं, जहां कांग्रेस-भाजपा के बीच सीधी टक्कर है। कर्नाटक में भी कांग्रेस को जेडीएस से गठबंधन की दरकार होगी। ऐसे में भाजपा विरोधी मतों का बंटबारा रोकने के लिए विपक्षी एकजुटता की पहल उसकी मजबूरी है, लेकिन दिल्ली और पंजाब में कांग्रेस से सत्ता छीनने के बाद गुजरात में भी उसके पैरों तले से जमीन छीन लेने वाली आप भला क्यों ऐसा चाहेगी?

जाहिर है, गुजरात विधानसभा चुनावों के बाद राष्ट्रीय दल की मान्यता पा चुकी आप अब मोदी को और भी आक्रामक चुनौती देते हुए अन्य राज्यों में भी कांग्रेस का विकल्प बनने की कोशिश करेगी ताकि विपक्षी एकता का केंद्र वह स्वयं बन पाए। आप इस बात से भी उत्साहित है कि उसके पास अरविंद केजरीवाल हैं, जिनके नाम और चेहरे पर दिल्ली के बाहर अन्य राज्यों में भी वोट मिल जाते हैं। ऐसे में जबकि हमारी बहुदलीय राजनीति भी व्यक्ति केंद्रित हो गई है, बिना लोकप्रिय नेतृत्व के कांग्रेस के लिए आप से अपनी जमीन बचा पाना आसान तो हरगिज नहीं होगा।

पार पाने का हौसला दिखाना होगा

डा. भीम सिंह भावेश

बिहार में शराबबंदी अपने अबतक के सबसे वीभत्स रूप में है। राज्य के सारण जिला में जहरीली शराब पीने से करीब 50 लोगों की मौत की खबर के दूसे दिन दूसरे जिले में भी लोगों के मरने की खबर से राज्य की राजनीति का पारा गर्मा गया है।

इस घटना ने सूबे में शराबबंदी को लेकर एक साथ कई सवाल खड़े कर दिए हैं। लोक सभा में इस मुद्दे पर तीखी बहसें हुई। बिहार विधानसभा में आरोपों के बौछार पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का तमतमाया चेहरा और गुस्से में लरजती उनकी आवाज से राज्य में शराबबंदी की दशा और दिशा का बखूबी पता चलता है।

शराबबंदी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का एक महत्त्वकांक्षी योजना है। आइए, हम सब मिलकर नशा मुक्त बिहार बनाएं स्लोगन को वे बड़े गर्व के साथ प्रस्तुत करते हैं। वर्ष 2011-12 से 2005-16 तक राज्य में पंचायत स्तर तक कम्पोजिट शराब दुकानें और वार्ड तक परचुनिया दुकानों की बाढ़ आ गई थी। राशन दुकानों की भांति देसी, विदेशी एवं मसालेदार शराब की दुकानें आवंटित थीं। तब पियक्कड़ों के कारण विशेषकर महिलाओं का घर से निकलना दूभर हो गया था। नतीजतन नीतीश ने 1 अप्रैल, 2016 से शराबबंदी का दृढ़ निर्णय लिया, जबकि इस निर्णय से राज्य को 4 हजार करोड़ रुपये का भारी राजस्व की क्षति का अनुमान था।

विपक्ष का आरोप भी सही प्रतीत होता है कि बीते सात साल में बिहार को एक लाख करोड़ से ज्यादा का नुकसान हुआ है। लिहाजा पैसे कहां से आएंगे, यह सवाल तो राज्य के मुखिया से पूछा जाना चाहिए। जिस पैसे से बिहार का भला होता उसका भी नुकसान हो रहा है। हालांकि नीतीश तमाम दबाव के बावजूद अपने फैसले से रत्ती भी पीछे नहीं हटने को तैयार हैं। उनका तर्क है कि शराब पीना बुरी आदत है और जो इसका सेवन करेगा, वह अपनी जान गंवाएगा। अपने इस फैसले को और ज्यादा सख्त बनाने के लिए उन्होंने शराब पीकर मरने वालों को सरकारी सहायता राशि भी देने से मना कर रखा है।

बहरहाल, शराबबंदी की निंदा करने के तमाम तर्क विपक्षी दलों, विशेषज्ञों और शराब से जुड़े व्यवसाय करने वाले दें, किंतु इस तथ्य से भी कोई इनकार नहीं कर सकता कि शराबबंदी से राज्य में खुशहाली का ग्राफ भी ऊपर चढ़ा है। मद्यनिषेध विभाग के सब्रे में बताया गया है कि राज्य की 100 फीसद महिलाएं शराबबंदी के निर्णय से बेहद खुश हैं। वो रात में बेखौफ होकर घूम सकती हैं, जो पहले कल्पना से परे बात थी। निश्चित तौर पर इस बोल्ड फैसले का नीतीश को सियासी फायदा भी पहुंचा। उन्हें महिलाओं के एकमुश्त वोट भी मिले, मगर जहरीली शराब से हो रही मौतों ने नीतीश और गठबंधन सरकार को बैकफुट पर ला दिया है। हाल ही में संपन्न कुढ़नी विधानसभा उपचुनाव में पार्टी प्रत्याशी को मिली हार की एक वजह गरीब-गुरबों और पिछड़ी जातियों के लोगों का शराबबंदी कानून के तहत जेल जाने को बताया जा रहा है।

स्वाभाविक है नीतीश चौतरफा घिर चुके हैं। उन्हें इस बात पर गहन मंथन करना होगा कि यह कानून सफल क्यों नहीं हो पा रहा है, आखिर इसके औंधे मुंह गिर जाने की वजह क्या है आदि। जब तक इन सब बातों का सही तरीके से आकलन नहीं होगा, लोग मरते रहेंगे। हां, कुछ नियमों में बदलाव किए जाएं तो परिणाम सुखद होने की गुंजाइश जरूर परवान चढ़ सकती है।

मसलन, एक मजबूत एंटी लिकर सेल का गठन बिना वक्त गंवाये सरकार को करना चाहिए। आबकारी का मसला बिल्कुल अलहदा है, सो सरकार को इसे पूर्ण रूप से आबकारी महकमे को सौंप देना चाहिए और पुलिस को इससे बिल्कुल अलग कर देना चाहिए। राज्य की सीमा वाले इलाके में पेट्रोलिंग के साथ-साथ जागरूकता के कार्यक्रम भी चलाने होंगे। अगर शराबबंदी को शत-प्रतिशत सफल बनाना है तो बिहार की सरकार को गुजरात से भी सीखने की जरूरत है। वहां अगर किसी मरीज को डॉक्टर ने शराब पीने की सलाह दी जाती है तो वह शराबंदी कानून के दायरे में नहीं आता है। उसी तरह कोई बाहर से लाकर अपने घर में शराब का सेवन करे तो वह गैरकानूनी नहीं माना जाता है, जबकि बिहार में नियम बिल्कुल इसके उलट है।

हालांकि ऐसा नहीं है कि राज्य सरकार इस मसले पर आंखें मूंदे बैठी है। शराबबंदी की सफलता को लेकर सरकार जल, थल और नभ तीनों जगह शिकजा कसने की रणनीति पर काम करती रही है। स्पीड बोट, पर्याप्त पुलिस बल, ड्रोन दस्ता तथा ड्रोन आदि की व्यवस्था की गई। चेक पोस्टों के लिए हैंड स्कैनर का उपयोग किया जा रहा है। सभी जिलों में एंटी लिकर टास्क फोर्स (एएलडीएफ) की 186 टीमें कार्य कर रही हैं। उत्पाद विभाग एवं पुलिस विभाग का संयुक्त अभियान चलता रहा। इसके बावजूद राज्य में बदस्तूर जाम के छलकने की असल वजह जानने और समझने की हर किसी को जरूरत है। नीतीश ने जिस मनोदशा में शराबंदी लागू करने का फैसला किया, अब उस निर्णय को सफल बनाने की प्रतिज्ञा उन्हें लेनी होगी।

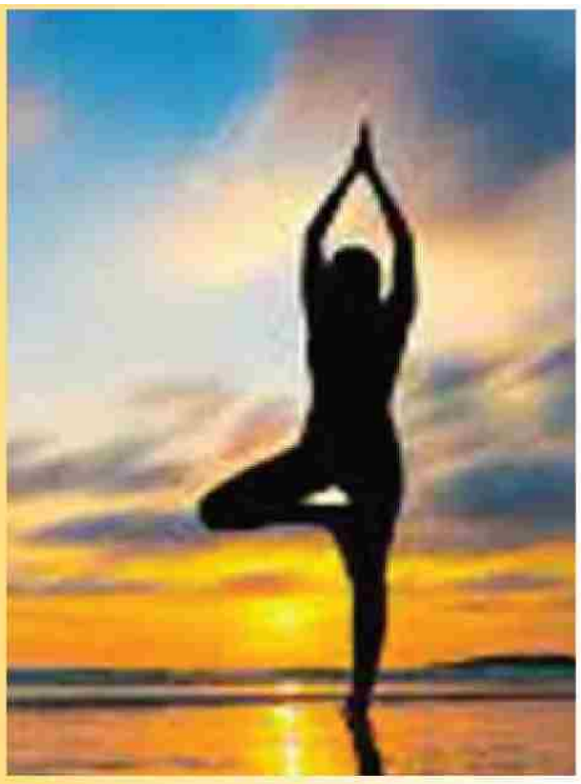

योग के साथ ही ऋषि मुनियों की शिक्षा को अपनाएं

आजकल की भागदौड वाली जीवन शैली तथा मिलावटी भोजन और फास्ट फुड व्यक्ति की सेहत पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहे हैं। इसलिए हमें निरोग और ऊर्जावान रहने के लिए हमें अपनी जीवनशैली में बदलाव करना बेहद जरूरी है और इसके साथ प्रकृति के साथ तालमेल बिठाते हुए योग को जीवन चर्या में शामिल करना होगा। योग अनेक बीमारियों में कारगर हैं। प्रदूषण के विकराल स्तर पर पहुंचने और जीवन शैली के (खास करके नई पीढ़ी की) पश्चिमी देशों के गुलाम बन जाने से हम कम उम्र में ही गंभीर बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। ऐसे में जरूरत है कि हम अपने ऋषि मुनियों की शिक्षा को अपनाएं जिन्होंने योग और उत्तम जीवन शैली के माध्यम से सौ साल से भी अधिक समय तक निरोगी रहकर जीवन साधना की।

योग विश्व को भारत की ही देन है लेकिन पश्चिम इसे जब योगा कहता है तो हम उनकी हर बात को आखें बंद कर विश्वास करने लगते हैं। हम अपनी अच्छाइयों से दूर होते जा रहे हैं और गलत आचरण अपनाने लगे हैं। खाने-पीने से लेकर उठने-बैठने यहां तक की चलने में भी हम सब भेड़ चाल अपना रहे हैं और साथ ही कहते हैं कि वर्तमान में सब कुछ प्रदूषित हो गया है। दुख की बात है कि हम अपनी तरफ नहीं देखते। स्वस्थ और स्लिम ट्रिम बनने के लिए हजारों रुपये लगाकर जिमखानों के चक्कर लगाते हैं और जीवन के लिए बेहद आवश्यक और वैज्ञानिक जीवन शैली योग को दरकिनार करते हैं।

साल 2023 में शनि की साढ़े साती या ढैय्या का असर रहेगा इन राशियों पर

शनिदेव 17 जनवरी 2023 को मकर से निकलकर कुंभ राशि में गोचर करने लगेंगे। इसके बाद से ही वर्ष 2023 में कुछ राशियों को शनि की ढैय्या और साढ़ेसाती से मुक्ति मिलेगी या राहत मिलेगी और कुछ राशियों को अभी और झेलना होगा साढ़े साती या ढैया का कष्ट। आओ जानते हैं कि आपकी राशि के लिए अगला वर्ष कैसा है।

शनि की साढ़ेसाती 2023

धनु राशि: 17 जनवरी 2023 को धनु राशि वालों को शनि की साढ़ेसाती से पूरी तरह मुक्ति मिल जाएगी। शनिदेव की कृपा के चलते सभी अटके कार्य पूर्ण होंगे। घर परिवार में सुख और शांति के साथ ही समृद्धि बढ़ेगी। आपकी राशि पर यह अंतिम चरण चल रहा था।

मकर राशि: मकर राशि वालों पर शनि की साढ़े साती 26 जनवरी 2017 से शुरू हुई थी। यह 29 मार्च 2025 को समाप्त होगी। लेकिन 2023 में कुंभ में शनि के जाने से मकर राशि वालों को राहत मिलेगी और साल 2023 उनके लिए राहत भरा होकर मिलाजुला असर वाला रहेगा। आपकी राशि पर शनि की साढ़े साती का मध्यम चरण चर रहा है।

कुंभ राशि: 29 अप्रैल 2022 को शनि का कुंभ राशि में प्रवेश हुआ था। फिर 5 जून को शनि इसी राशि में वक्री हुआ। फिर 12 जुलाई को वक्री शनि ने मकर में प्रवेश किया। इसके बाद 23 अक्टूबर को शनि ने मकर में ही मार्गी गति की। अब 17-18 जनवरी 2023 के दरमियान शनि ग्रह कुंभ राशि में गोचर, जहां वह 2025 तक रहेगा। शनि के कुंभ में आने से कुंभ राशि वालों को बहुत हद तक शनि की साढ़ेसाती से राहत मिलेगी। सोचे गए और अटके कार्य पूर्ण होंगे। आपकी राशि पर साढ़े साती का दूसरा चरण प्रारंभ होगा।

मीन: मीन राशि पर भी 2023 में शनि की साढ़े साती का साया रहेगा। मीन राशि पर शनि की साढ़े साती का पहला चरण 29 मार्च 2025 तक चलेगा और इस राशि पर 7 अप्रैल 2030 तक साढ़े साती रहेगी।

मिथुन राशि:17 जनवरी 2023 से शनि के मार्गी होने पर मिथुन राशि से पूरी तरह शनि की ढैया का प्रभाव खत्म हो जाएगा। शनिदेव की कृपा के चलते सभी तरह के संकट दूर होकर मनोकामनापूर्ण होगी। आर्थिक हालात में सुधार होगा।

तुला राशि:17 जनवरी 2023 से शनि के मार्गी होने पर तुला राशि से पूरी तरह ढैया का प्रभाव खत्म हो जाएगा। तुला राशि पर शनि की ढैय्या 24 जनवरी 2020 से चल रही है। शनिदेव की कृपा के चलते सेहत में सुधार होगा। भूमि और भवन संबंधी कार्य पूर्ण होंगे।

कर्क और वृश्चिक:17 जनवरी 2023 को कुंभ राशि में शनि के प्रवेश करते ही कर्क और वृश्चिक राशि वालों पर शनि की ढैया शुरू हो जाएगी। ऐसे में इन राशि के जातकों को ढाई साल तक सतर्क रहना होगा।

कर्म व्यर्थ नहीं होता

अक्सर लोग कर्म और भाग्य के बारें में चर्चा करतें वक्त अपनें - अपनें जीवन में घटति घट्नाओं के आधार पर निष्कर्ष निकालतें हैंकोई कर्म को श्रेष्ठ मानता हैंकोई भाग्य को ज़रूरी मानता हैतो कोई दोनों के अस्तित्व को आवश्यक मानता हैं.लेकिन क्या जीवन में दोनों का अस्तित्व ज़रूरी हैं ? गीता में श्री कृष्ण अर्जुन को कर्मफल का उपदेश देकर कहतें हैं।

कर्मण्यें वाधिकारवस्तें मा फलेषु कदाचन

अर्थात मनुष्य सिर्फ कर्म करनें का अधिकारी हैंफल पर अर्थात परिणाम पर उसका कोई अधिकार नहीं हैंआगे श्री कृष्ण बतातें हैंकि यदि मनुष्य कर्म करतें करतें मर जाता हैंऔर इस जन्म में उसे अपनें कर्म का फल प्राप्त नहीं होता तो हमें यह नहीं मानना चाहियें की कर्म व्यर्थ हो गया बल्कि यह कर्म अगले जन्म में भाग्य बनकर लोगों को आश्चर्य में ड़ालता हैं। यही कारण हैंकि आज भी लोग किसी उच्च पदासीन व्यक्ति के घर जन्म लेनें वालें व्यक्ति के विषय में यही राय रखतें हैंकि ज़रूर पूर्व जन्म के कर्म श्रेष्ठ रहें होगें तभी ऐसे घर जन्म मिला अब ये अलग बात हैंकि अपनें पूर्वजन्मों के कर्म को कोई व्यक्ति कायम नहीं रख पाता और अपनें कदाचरण के द्वारा अपना आगें का जीवन बर्बाद कर लेता हैंजबकि कुछ लोग पूर्वजन्मों के कर्म को आगें बढ़ाकर और श्रेष्ठ जीवन व्यतित करतें हैंकिसी कहा भी हैंकि भाग्यवान को वही मिलता हैंजो कर्मवीर छोड़कर गया था और फिर भाग्य चमकता भी कितनें का हैं लाखों में किसी एक का जबकि कर्मवीर का तो भाग्योदय तय होता हैं।

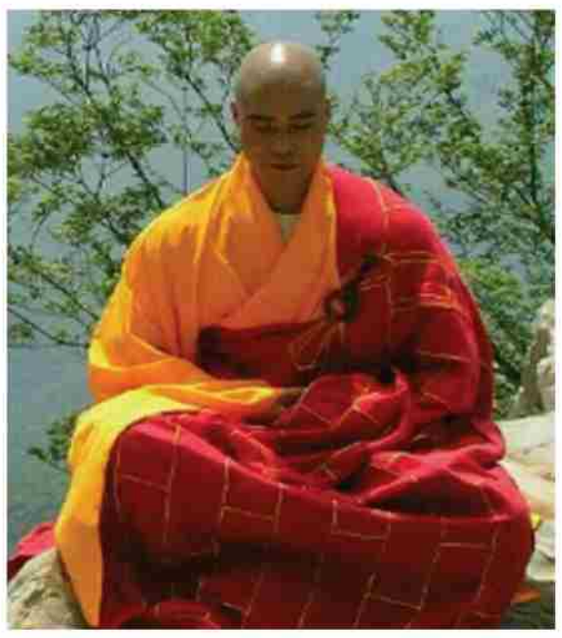

जो कर्म शरीर द्वारा होता हैं वह कायिक या शारीरिक कर्म होता हैंअपनें शरीर द्वारा किसी मनुष्य जीव - जन्तु को कोई चोट् या आघात नही हो बल्कि सदैव शरीर दूसरों की भलाई के लिये तत्पर रहे यही कायिक कर्म होता हैं।

वाणी सदैंव मीठी रहनी चाहियें क्योंकि बाण से निकला तीर और मुहँ से निकली बोली कभी वापस नहीं आती दुर्योधन के प्रति द्रोपदी का यह कथन कि अन्धों के अन्धे होतें हैं ने महाभारत कि रचना कर दी और भारत भूमि की सभ्यता संस्कृति को बदल दियादूसरी और मीठे बोलों ने कितनें ही क्रोध को शांत किया हैं कहा गया हैं।

कागो काको धन हरैकोयल काको देय ?मीठे वचन सुनाइ केजग अपनो कर लेई 77

जब श्री राम ने परशुराम के आराध्य शंकर का धनुष प्रत्यांचा चढ़ानें के लिये झुकाया तो धनुष टूट गया इस पर आगबबूला परशुराम फरसा लेकर राम के पास गये और कहा कि किसनें मेरें आराध्य का धनुष तोड़ा हैंवो मेरा सामना करें इस पर श्री राम ने कहा प्रभु में तो सिर्फ राम ही हूँ आप तो परशुराम हैंमैं आपसे कैसें युद्ध कर सकता हूँइतना कहतें ही परशुराम का गुस्सा सातवें आसमान से सीधें जमीन पर आ गया और उन्होनें राम को गले लगाकर कहा राम तुम वास्तव में धनुष पर प्रत्यांचा चढ़ानें के अधिकारी होकहनें का तात्पर्य यही कि मधुरवाणी वीरो का आभूषण हैं।

तीसरा कर्म मानसिक कर्म हैंमन में हम जो सोचतें हैंविचार करतें हैं वही कायिक और वाचिक कर्म का आधार हैंकहतें हैंकि विचारों की शक्ति दूर बैठें व्यक्ति को भी प्रभावित करती हैंयही कारण हैंकि लोग प्रार्थना को ईश प्राप्ति का साधन मानतें हैं। वास्तव में हम सर्वाधिक कर्म मानसिक रूप में ही करतें हैंइसलिए भारतीय मनीषी कहतें हैंकि आदमी जैसा सोचता हैंवैसा बन जाता हैं।

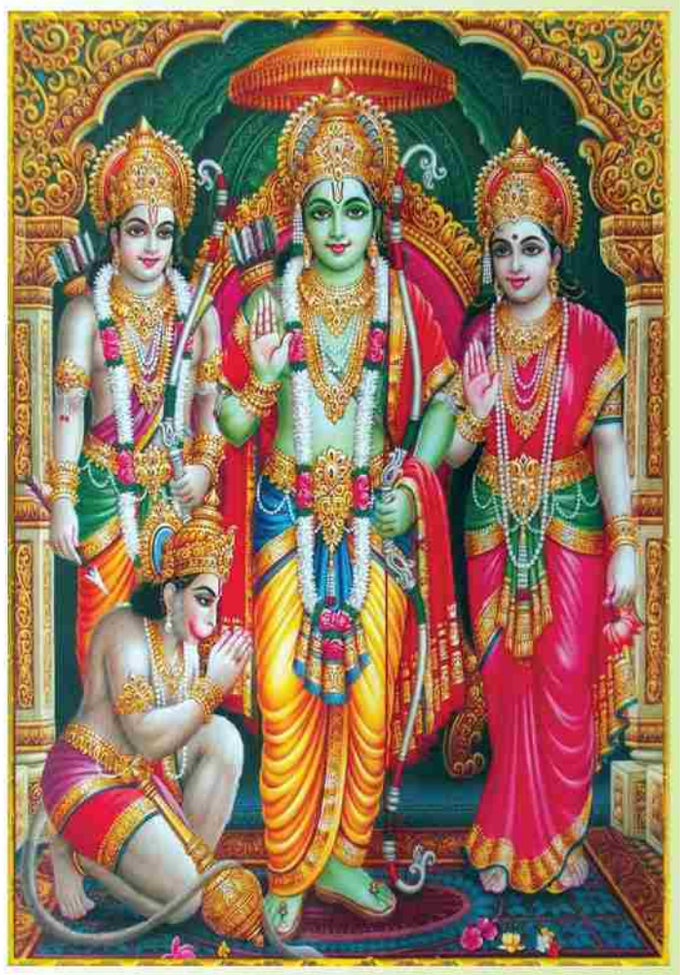

राम नाम से होगा बेड़ा पार

राम से बड़ा राम का नाम होता है। जहां भगवान राम की सेवा पूजा से केवल वही प्रसन्न होते हैं राम का नाम लेने मात्र से ही भगवान राम सहित हनुमानजी तथा देवों के देव महादेव भी प्रसन्न होकर स्वयं मनोकामना पूर्ति करते हैं। राम नाम के ऐसे ही कुछ प्रयोग जो आपकी जिंदगी को पूरी तरह बदल देंगे।

रोज सुबह सेवा-पूजा के बाद तुलसी अथवा रूद्राक्ष की माला से 108 बार राम नाम का जप करें। इससे आपके ऊपर आने वाले कष्ट ऐसे खत्म हो जाएंगे जैसे सूर्य की धूप निकलते ही ओस की बूंदे उड़ जाती हैं। जब भी कोई बहुत बड़ी समस्या आ जाए और कोई उपाय न सुझाई दें हनुमानजी की पूजा-अर्चना कर वहीं आसन पर बैठ जाएं और राम नाम का जप करते रहें। यदि हर मंगलवार तथा शनिवार को इस प्रयोग को करेंगे तो जीवन में कभी भी कोई भी कष्ट आपको परेशान नहीं कर पाएगा।

यदि आपको लगता है कि घर में किसी तरह की भूत प्रेत बाधा हो या कोई नकारात्मक शक्ति प्रवेश कर गई हो तो इसके लिए सबसे अच्छा उपाय है कि गंगाजल को राम-राम जपते हुए पूरे घर में छिड़क दें। सायं काल पूजा के समय भी गोबर के उपले पर लौहबान तथा गूग्गल की जलाकर पूरे घर में धूनी दें। इससे तुरंत ही आपकी हर समस्या दूर हो जाएगी। अगर आप सुंदरकांड का पाठ करते हैं तो पाठ के आरंभ अथवा अंत में एक माला राम नाम के जप की कर लें। इससे हनुमानजी अत्यन्त प्रसन्न होकर आपकी हर अभिलाषा पूरी करेंगे।

अगर घर के किसी व्यक्ति या बच्चे को नजर लग गई हैं तो एक इलायची पर 21 बार राम नाम जप कर फूंक मारे और उसे खिला दें। तुरंत असर दिखाई देगा। मंगलवार को तीन बार राम का नाम लेकर हनुमानजी के निमित्त बंदरों को गुड़-चने खिलाएं। इससे शनि राहू केतु तथा मंगल ग्रहों द्वारा दिए जा रहे सभी प्रकोप तुरंत ही शांत हो जाएंगे और आपके घर में सुख-शांति का वास होगा।

कलाकृतियाँ को सही तरीके से सजाएं नहीं तो आयेंगे वास्तु दोष

कलाकृतियाँ सिर्फ कला दीर्घाओं की ही शोभा नहीं बढ़ातीं बल्कि घर को इनसे एक अलग पहचान मिलती है। लोग इन्हें वास्तु के हिसाब से भी सजाते हैं। पेंटिंग आपके घर के इंटीरियर को बेहतर बनाती हैं। तो लगाती ही है लेकिन अगर आप सही पेंटिंग का चयन करें तो यह घर में खुशी और समृद्धि भी लाती है। वहीं ऐसा नहीं होने पर इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। अगर पेंटिंग के चयन में सावधानी बरती जाए तो यह काफी लाभदायक सिद्ध होती है।

पेंटिंग में रंगों का एक अलग स्थान होता है। हरियाली से युक्त सूर्य की चमकती रोशनी और साफ नीले आसमान वाली पेंटिंग लिविंग रूम के लिए अच्छी मानी जाती है। ऐसी कलात्मक चीजें दक्षिण-पूर्व दिशाओं के लिए बेहतर हैं। गौर करने वाली बात है कि पेंटिंग ऐसी हो जो ऊर्जा प्रदायिनी तथा प्रसन्नता देने वाली हो।

नीले रंग की पेंटिंग उत्तर दिशा की दीवार पर बेहतर मानी जाती है। हरे या उससे मिलते-जुलते रंग पूर्व दिशा की दीवार पर लगाने से घर में खुशहाली आती है। लाल या संतरी रंग दक्षिण दिशा में हो तो बेहतर रहता है। बच्चों के कमरे में पेंटिंग लगाते समय गुलाबी जामुनी या नीले रंग का प्रयोग करना चाहिए। लाल और सफेद रंग का प्रयोग कहीं भी किया जा सकता है।

नये जोड़े के कमरे में गुलाबी रंग की पेंटिंग बेहतर होगी। घर में रनिंग वॉटर जैसे फाउंटेन

और समुद्र की पेंटिंग डंइग रूम या लॉबी में कहीं भी लगाई जा सकती है लेकिन बेडरूम में इस तरह की पेंटिंग का प्रयोग करने से बचना चाहिए।

घर में सकारात्मक ऊर्जा के संचार में दिशाओं का महत्वपूर्ण योगदान होता है इसीलिए पेंटिंग लगाते समय दिशाओं का भी खास खयाल रखना चाहिए। पूरब की दिशा में उगते हुए सूरज की पेंटिंग लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसी तरह धार्मिक चिह्न जैसे ओम या स्वस्तिक उत्तर-पूर्व कमरे की पूर्व दीवार पर हो तो काफी अच्छा रहता है। इससे घर में सुख और शान्ति आती है।

परिवार के सदस्यों की तस्वीर या पेंटिंग दक्षिण दिशा में होनी चाहिए। बच्चों की तस्वीर लैंडस्केप या हरे जंगल पश्चिम दिशा में हो तो इसका घर में सकारात्मक असर पड़ता है। नवविवाहित जोड़े की पेंटिंग कमरे की दक्षिण दिशा में लगानी चाहिए।

पेंटिंग न केवल घर में सकारात्मक परिवेश और ऊर्जा प्रदान करती है बल्कि यह समृद्धि का कारक भी है। घर में सही पेंटिंग लगाने से व्यापार को बढ़ावा मिलता है। कमरे की दक्षिण दीवार पर मैप लगाने से व्यापार में वृद्धि होती है। अगर कोई व्यक्ति भारत में व्यापार करता है तो उसे भारत का मैप लगाना चाहिए। अगर किसी का व्यापार विदेशों तक फैला है तो उसे विश्व का मैप लगाना चाहिए।

उड़ते हुए पक्षियों की तस्वीर आपके आर्थिक पक्ष को सुदृढ़ करती है। उगता हुआ सूरज सौभाग्य लेकर आता है लेकिन पेंटिंग का गलत चयन आपके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव भी डाल सकता है। घर में किसी को दिल संबंधी बीमारी है या कोई व्यक्ति डिप्रेशन का मरीज है तो घर में लाल रंग की पेंटिंग नहीं लगानी चाहिए। हरा रंग आपके स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है।

घर में ऐसी पेंटिंग का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए जिसे देखने से दुख का आभास होता हो। ऐसी पेंटिंग घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार करती हैं। पेंटिंग के फायदे हैं लेकिन इस संबंध में कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। भूतहा मकान खंडहर तालाब कुएँ हथियार अस्त्र-शस्त्र रुके हुए पानी गहरे कष्टकारक रंग आँखों को चुभने वाले रंगों की पेंटिंग पशुओं या लड़ाई की तस्वीरें घर में कभी भी नहीं लगानी चाहिए। इससे कई प्रकार के रोग और परेशानियां आ सकती हैं। इसका हमारे स्वभाव पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है।

खैबर पख्तूनख्वा में हुआ आतंकी हमला, पुलिस स्टेशन को आतंकियों ने बनाया निशाना

लाहौर । पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आतंकावादियों ने पुलिस स्टेशन को निशाना बनाया और यहां आतंकी हमले को अंजाम दिया है। इस आतंकी हमले में अब तक चार जवानों की मौत हो गई है। इस पुलिस स्टेशन का उद्घाटन कुछ समय पहले ही किया गया था। आतंकवादियों ने इस नए निर्मित पुलिस स्टेशन को निशाना बनाकर आतंकी हमले को अंजाम दिया है। इस आतंकी हमले के पीछे तहरीके तालिबान पाकिस्तान का हाथ बताया जा रहा है। मगर अब तक आतंकी संगठन ने खुलकर इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि जिन आतंकियों ने पुलिस स्टेशन पर हमला किया है उनके पास खतरनाक हथियार थे।

आतंकी घटना स्थल पर ग्रेनेड और रॉकेट लॉन्चर जैसे हथियारों को लेकर आए थे। जानकारी के मुताबिक पुलिस कर्मियों और आतंकियों के बीच काफी देर तक गोलीबारी का दौर भी जारी रहा। आतंकवादियों द्वारा किए गए हमले में चार पुलिसकर्मियों की जान चली गई है। इस हमले में कई पुलिसकर्मी घायल हुए है। वहीं हमला करने के बाद आतंकी भागने में सफल हो गए। अब पुलिस ने उनकी तलाशी शुरू कर दी है। इस हमले के बाद खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री मेहमूत खान ने हमले की निंदा की है। उन्होंने पुलिस से इस हमले को लेकर विस्तृत रिपोर्ट भी मांगी है।

इस संगठन द्वारा हमले की आशंका

वैसे इस आतंकी हमले की जिम्मेदारी खुलकर किसी आतंकी संगठन ने नहीं ली है।.माना जा रहा है कि टीटीपी ने ये हमला किया है। टीटीपी का गठन वर्ष 2007 में हुआ था। इस संगठन को कई संगठनों ने मिलकर बनाया था। पाकिस्तान में इस संगठन ने वर्ष 2007 के बाद से कई आतंकी हमलों को अंजाम दिया है। जानकारी के मुताबिक पिछले महीने भी पुलिस वाहन पर टीटीपी के आतंकियों ने हमला किया था। इस आतंकी हमले में छह लोगों की मौत हुई थी। इसके अलावा ये आतंकी संगठन लंबे समय से पाकिस्तान में हमले कर माहौल को खराब करता रहा है। इस संगठन ने आर्मी हेडक्वार्टर तक पर हमला करने से पहले नहीं सोचा। वर्ष 2009 में इसने आर्मी हेडक्वार्टर पर भी निशाना साधा था।

भारतीय मूल के लियो वराडकर दूसरी बार बने आयरलैंड के प्रधानमंत्री

आयरलैंड में भारतीय मूल के लियो वराडकर शनिवार को दूसरी बार देश के प्रधानमंत्री बन गए हैं। आयरलैंड की संसद के निचले सदन 'डेल' के विशेष सत्र के दौरान सांसदों ने माइकल मार्टिन की जगह लेने के लिए मतदान के जरिए वराडकर के नाम को मंजूरी दी। आयरलैंड के राष्ट्राध्यक्ष राष्ट्रपति माइकल डी. हिगिंस की ओर से मंजूरी मिलने के बाद वराडकर की नियुक्ति की पुष्टि की गई। आयरलैंड में साल 2020 में आम चुनाव हुए थे, जिसके बाद मार्टिन अपनी पार्टी 'फिएना फेल' और वराडकर की पार्टी 'फिने गाइल' के बीच हुए ऐतिहासिक समझौते के पश्चात मार्टिन देश के प्रधानमंत्री बने थे। इस समझौते के तहत तय हुआ था कि पांच साल के कार्यकाल के शुरुआती ढाई साल में मार्टिन देश के प्रधानमंत्री और वराडकर उप प्रधानमंत्री रहेंगे। इसके बाद दोनों एक दूसरे की जगह लेंगे। मार्टिन (61)

ने शनिवार सुबह प्रधानमंत्री पद से अपना इस्तीफा राष्ट्रपति को सौंप दिया। वराडकर (43) इससे पहले वर्ष 2017 से 2020 के बीच आयरलैंड के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। वह देश के सबसे युवा और 'गे' प्रधानमंत्री बने थे। वराडकर की मां का संबंध आयरलैंड, जबकि पिता का ताल्लुक भारत से है। वह आयरलैंड के पहले अश्वेत प्रधानमंत्री भी रहे हैं।

उग्रवादी समूह से रिश्ते की वजह से इजराइल ने फलस्तीनी को निर्वासित किया

येरुशलम । इजराइल ने कहा है कि उसने एक फिलस्तीनी वकील और सामाजिक कार्यकर्ता को रविवार तड़के फ्रांस निर्वासित कर दिया है। इजराइल ने दावा किया है कि उसका प्रतिबंधित उग्रवादी समूह से रिश्ता है। हालांकि फ्रांस की सरकार ने इज़राइली सरकार के कदम पर ऐतराज़ जताया है। सामाजिक कार्यकर्ता सलाह हम्मोरी का निष्कासन पूर्वी येरुशलम में फलस्तनियों की खराब हालत को दर्शाता है। पूर्वी येरुशलम के इस क्षेत्र पर इज़राइल ने कब्जा कर लिया है और अपने मुल्क से जोड़ लिया है। इसमें रहने वाले फ़लस्तनियों के पास सिर्फ़ निवास का अधिकार है। उन्हें नागरिकता हासिल नहीं है। हम्मोरी के निष्कासन से फ्रांस के साथ कूटनीतिक विवाद को खड़ा हो सकता है। फ्रांस ने इज़राइल से कई बार गुज़ारिश की थी कि वह हम्मोरी को निर्वासित नहीं करे। इज़राइल के गृहमंत्री आयलेट शेक्ड ने एक वीडियो में कहा मुझे यह ऐलान करते हुए खुशी हो रही है कि आज इंसाफ़ कर दिया गया और आतंकवादी सलाह हम्मोरी को इज़राइल से निर्वासित कर दिया गया है। हम्मोरी का जन्म येरुशलम में हुआ था लेकिन उनके पास फ्रांस की नागरिकता है। इज़राइल का कहना है कि हम्मोरी 'पॉपुलर फ्रंट फॉर लिबरेशन ऑफ़ फलस्तीन' (पीएफएलपी) के कार्यकर्ता हैं। इज़राइल ने इस समूह को प्रतिबंधित किया हुआ है ओर वह उसे आतंकवादी संगठन बताता है। हम्मोरी 'अदमीर' के लिए बतौर वकील काम कर चुके हैं। अदमीर एक ऐसा अधिकारवादी संगठन है जो उन फलस्तीनी कैदियों की मदद करता है जिन्हें इज़राइल ने पीएफएलपी के साथ कथित रिश्तों के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। हम्मोरी को एक प्रतिष्ठित यहूदी धर्मगुरु की हत्या की कथित साज़िश रचने के मामले में दोषी ठहराया गया था। वह सात साल तक जेल में बंद रहे थे लेकिन 2011 में हमास के साथ कैदियों की अदला बदली के तहत उन्हें रिहा कर दिया गया था।

रंग गायब कपड़ा भी पूरी तरह से सड़ा हुआ फिर भी 94 लाख में बिकी 1857 में डूबे जहाज में मिली जींस

वॉशिंगटन । एक अच्छी क्वालिटी की नई पैंट हजारों में बिकती है। लेकिन अगर बेहद पुरानी पैंट लाखों में बिके तो हम सभी को आश्चर्य होगा? लेकिन ऐसा सच में हुआ है। 1857 में डूबे एक जहाज के मलबे से इस पैंट को रिकवर किया गया था जो एक नीलामी में 1 लाख 14 हजार डॉलर (9431619 रुपए) में बिका है। माना जाता है कि ये जींस पैंट मजदूरों के लिए डिजाइन किया गया था जो कठिन श्रम करते थे। नीलामी घर होलाबर्ड वेस्टर्न अमेरिकाना कलेक्शंस के विशेषज्ञों का मानना है इस पैंट का पुराना मालिक एक खनिक हो सकता है। पांच बटन वाला यह पैंट 100 साल से ज्यादा समय तक समुद्र की गहराई में सड़ रहा था जिससे इसका रंग अब काला-भूरा है। पैंट का असली रंग कैसा था यह अभी भी रहस्य है। जहाज में एक बक्से में यह पैंट मिला था। बक्से की पहचान से पता चला है कि संभवत : यह अमेरिका के ओरगन के रहने वाले जॉन डिमेंट नाम के एक व्यापारी का रहा होगा जो इस दुर्घटना में बच गया था। हालांकि अन्य सैकड़ों लोगों की किस्मत इतनी ही अच्छी नहीं थी और वे सभी इस हादसे में मारे गए। जॉन डिमेंट मैक्सिको और अमेरिका के युद्ध में भी लड़ चुके थे। जिस जहाज पर पैंट मिला उसका नाम एसएस सेंट्रल अमेरिका था जो 280 फीट लंबा था। पनामा से न्यूयॉर्क के बीच एक तूफान में यह डूब गया था। जहाज के अंदर डूब कर ही सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। जहाज के अवशेष 1988 में उत्तरी कैरोलिना के तट पर पाए गए थे। इस जहाज को सोने का जहाज भी कहा जाता था। इस जहाज पर कई किलो सोने की इंटे सिक्के भी लदे हुए थे। जब जहाज को खोजा गया तो इसमें से 36 किलो सोना पाया गया। जब से यह पैंट मिला तभी से इसकी उत्पत्ति बहस का विषय बनी रही है। लिस्टिंग पेज के मुताबिक नीलामी घर के अधिकारियों का मानना है कि यह लेवाइस द्वारा बेचे गए शुरुआती पैंट में से एक है। डिजाइन और बनावट की टेक्निक के आधार पर उन्होंने यह अनुमान लगाया है। हालांकि आधिकारिक तौर पर लेवाइस ने अपना पहला जींस जहाज डूबने के 16 साल बाद 1873 में बेचा था। कंपनी के आर्काइव डायरेक्टर ट्रेसी पानेक का कहना है कि इस पैंट पर ब्रांडिंग और हॉलमार्क मिसिंग है। मुझे लगता है न तो यह लेवाइस का है और न ही खदान में काम करने वाले किसी खनिक का।

बीजिंग में कोरोना संक्रमण के बीच ही एक लाश को ताबूत में रखते हुए कर्मचारी।

घर में आग लगने से भारतीय-अमेरिकी महिला उद्यमी की ह्यूस्टन में मौत

ह्यूस्टन । भारतीय-अमेरिकी उद्यमी और उसके कुत्ते की 14 दिसंबर को न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड में उनके डिक्स हिल्स कॉटेज में आग लगने से जलकर मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि उन्हें डिक्स हिल्स में कॉटेज में 14 दिसंबर को आग लगने की सूचना मिली। दो पुलिस अधिकारियों और एक सर्जेंट ने तान्या बथिजा (32) को बचाने की कोशिश की लेकिन आग बहुत भीषण थी इस लिए उन्हें बचाया नहीं जा सका। स्थानीय दमकल विभाग ने जब तक आग पर पूरी तरह काबू पाया। पुलिसकर्मियों ने उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया बथिजा के फेफड़ों में धुआं भर गया था इस वजह से उनकी मौत हो गई। सफोल्क काउंटी पुलिस विभाग ने बताया था कि प्रारंभिक जांच के बाद पाया गया है कि आग लगने के पीछे कोई आपराधिक वजह नहीं थी। सफोल्क पुलिस विभाग के प्रमुख केविन बेयरर ने कहा बथिजा कार्ल्स स्ट्रेट पाथ पर अपने माता-पिता के घर के पीछे कॉटेज में रहती थीं। उन्होंने बताया कि बथिजा के पिता गोबिंद बथिजा 14 दिसंबर को काम पर जाने से पहले जब व्यायाम करने के लिए उठे तो उन्होंने खिड़की के बाहर देखा और कॉटेज में आग लगी हुई थी। उन्होंने तुरंत अपनी पत्नी को उठाया और दोनों कॉटेज की तरफ दौड़े और बेटी को बाहर निकालने की कोशिश की लेकिन तब तक आग बुरी तरह फैल चुकी थी। डिक्स हिल्स में तान्या बथिजा जाना-पहचाना नाम थीं। वह सफल उद्यमियों में से एक थी। उनका अंतिम संस्कार मेलोनी लेक फनरल होम में रविवार को किया गया।

पुतिन ने स्वीकार किया जितना बताया गया था उससे कहीं ज्यादा मजबूत निकले यूक्रेनी

मॉस्को (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कबूल किया है कि यूक्रेन को जितना मजबूत बताया गया था वे उससे कहीं ज्यादा मजबूत निकले। व्लादिमिर पुतिन ने कहा कि यह युद्ध शायद जितना हमने सोचा था उससे कहीं अधिक कठिन होने जा रहा है। लेकिन युद्ध उनके इलाके में हो रहा है हमारे इलाके में नहीं। हम एक बड़े देश हैं और हमारे पास धैर्य है। उधर कुछ खबरों में कहा गया कि यूक्रेन में कुछ इलाकों से रूसी सेना के पीछे हटने के बाद से पुतिन ने सेना को चाक-चौबंद करने पर जोर दिया है।

यूक्रेन युद्ध की रणनीति पर चर्चा के लिए व्लादिमीर पुतिन ने रूस के शीर्ष सैन्य अधिकारियों से क्रेमलिन में लंबी-लंबी मुलाकातें की। क्रेमलिन ने बताया कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन में रूस के युद्ध अभियान के जिम्मेदार सैन्य शीर्ष अधिकारियों के साथ व्यापक बैठकें की हैं। जबकि रूस ने यूक्रेन पर बमबारी और ज्यादा तेज कर दी है। क्रेमलिन से जारी एक बयान में कहा गया है कि शुक्रवार को राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पूरा दिन यूक्रेन में विशेष सैन्य अभियान में शामिल सैन्य कर्मियों के साथ बिताया। पुतिन ने रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू और जनरल स्टाफ के प्रमुख वालेरी गेरासिमोव के साथ बैठक की और विभिन्न रक्षा शाखाओं के कमांडरों के साथ अलग-अलग चर्चा की।

उधर रूस ने यूक्रेन के कई शहरों पर लगातार मिसाइलों की बौछार जारी रखी है। जिसके कारण कई शहर अंधेरे में डूब गए हैं। उन शहरों में पानी और हीटिंग की सप्लाई कट गई और लोगों को शून्य से नीचे तापमान में कड़के की ठंड सहने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। कई इलाकों में लगातार हार के बाद रूस ने अक्टूबर के बाद से यूक्रेन की सैन्य-संबंधित सुविधाओं के साथ ही उसकी बिजली सप्लाई को सबसे बड़े पैमाने पर अपने हवाई हमलों का निशाना बनाया है। फ्रांस और यूरोपीय संघ ने कहा कि कड़ाके की बर्फीली ठंड में यूक्रेन के नागरिकों को बिजली और गैस की सप्लाई से दूर रखने के लिए किए जा रहे लगातार हवाई हमले एक तरह से युद्ध अपराध हैं। यूरोपीय संघ के विदेश नीति प्रमुख ने इन हवाई हमलों को 'बर्बर' करार दिया है।

सीओपी15 : भारत ने जैवविविधता के संरक्षण के लिए समर्पित कोष बनाने की मांग की

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने कनाडा के मॉन्ट्रियल में जैव विविधता पर संयुक्त राष्ट्र के शिखर सम्मेलन में कहा है कि विकासशील देशों को जैवविविधता को हुए नुकसान को रोकने और उसकी भरपाई करने के वास्ते 2020 के बाद वैश्विक रूपरेखा सफलतापूर्वक लागू करने में मदद करने के लिए एक नया एवं समर्पित कोष बनाने की तत्काल आवश्यकता है। भारत ने यह भी कहा कि जैवविविधता का संरक्षण 'साझा लेकिन विभेदित जिम्मेदारियों और संबंधित क्षमताओं' (सीबीडीआर) पर आधारित होना चाहिए, क्योंकि जलवायु परिवर्तन प्रकृति पर भी असर डालता है। जैविक विविधता पर संधि (सीबीडी) में शामिल 196 देशों के 2020 के बाद वैश्विक जैवविविधता रूपरेखा (जीबीएफ) पर बातचीत को अंतिम रूप देने के लिए एकत्रित होने के बीच वित्त संबंधित लक्ष्यों में सीबीडीआर सिद्धांत को शामिल करने की मांग की जा रही है। जीबीएफ में जैवविविधता को हुए नुकसान को रोकने और उसकी भरपाई करने के लिए निर्धारित नए लक्ष्य शामिल हैं। भारत सहित 196 देशों के प्रतिनिधि सात दिसंबर से शुरू हुए संयुक्त राष्ट्र के जैवविविधता शिखर सम्मेलन (सीओपी15) में नयी वैश्विक जैव विविधता रूपरेखा (जीबीएफ) पर वार्ता को अंतिम रूप देने की उम्मीद से एकत्रित हुए हैं। इस सम्मेलन में केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा, ''विकासशील देशों को वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने के लिए एक नया और समर्पित तंत्र बनाने की आवश्यकता है। ऐसी निधि जल्द से जल्द बनाई जानी चाहिए, ताकि सभी देश 2020 के बाद जीबीएफ का प्रभावी रूप से क्रियान्वयन कर सकें।'' भारत ने कहा कि जैवविविधता के संरक्षण के लिए लक्ष्यों को लागू करने का सबसे ज्यादा बोझ विकासशील देशों पर पड़ता है और इसलिए इस उद्देश्य के लिए उन्हें पर्याप्त निधि तथा प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण की आवश्यकता है।

उत्तर कोरिया ने पूर्वी तट पर दो बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया

सियोल (एजेंसी)। उत्तर कोरिया ने रविवार को अपने पूर्वी तट की तरफ दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं जो बीते एक महीने में हथियारों का उसका पहला परीक्षण है। उत्तर कोरिया ने दो दिन पहले मुख्य अमेरिकी भूभाग तक मार करने में सक्षम एक शक्तिशाली अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) बनाने के लिए आवश्यक अहम परीक्षण करने का दावा किया था।

दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि उनकी सेना ने उत्तर कोरिया द्वारा उसके उत्तर-पश्चिमी तोंगचांगरी इलाके से दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागे जाने का पता लगाया है। मिसाइलों ने उत्तर कोरिया के पूर्वी समुद्र की ओर उड़ान भरी। तोंगचांगरी इलाके में उत्तर कोरिया का सोहेए उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र स्थित है जहां देश अतीत में उपग्रह ले जाने वाले लंबी दूरी के कई रॉकेट का प्रक्षेपण कर चुका है। दक्षिण कोरियाई अधिकारी ने बताया कि मिसाइलें करीब 50 मिनट के अंतराल पर दागी गईं लेकिन उन्होंने अन्य जानकारियां नहीं दीं जैसे कि उत्तर कोरिया ने किस तरह के हथियारों का परीक्षण किया और उन्होंने कितनी दूर उड़ान भरी। ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि दक्षिण कोरियाई सेना ने अपनी निगरानी मजबूत की है और वह अमेरिका के साथ करीबी समन्वय बनाए रखे हुए हैं।

जापानी अधिकारियों ने भी कहा कि उन्होंने उत्तर कोरिया द्वारा दो मिसाइलें दागे जाने का पता लगाया है। जापान के तटरक्षक बल ने कहा कि उत्तर कोरिया की ओर से दागी गईं मिसाइलें जापान और कोरियाई प्रायद्वीप के बीच समुद्र में गिरीं। अधिकारियों ने बताया कि दोनों मिसाइलें जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर गिरीं। बृहस्पतिवार को सोहेए केंद्र में उत्तर कोरिया ने एक नए सामरिक हथियार 'हाई-थ्रस्ट सॉलिड-फ्यूल मोटर' का परीक्षण किया था। इससे उत्तर कोरिया को अमेरिका के मुख्य भूभाग पर हमला करने के लिए एक बैलिस्टिक मिसाइल बनाने में मदद मिल सकती है।

हालांकि अभी यह पता नहीं चल सका है कि क्या रविवार को हुआ परीक्षण सोहेए केंद्र से किया गया। यह पिछले महीने लंबी दूरी की हवासोंग-17 अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) के परीक्षण के बाद से उत्तर कोरिया द्वारा हथियारों का पहला सार्वजनिक परीक्षण है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया अपने हथियारों का परीक्षण तेज कर रहा है ताकि वह उस पर लगे प्रतिबंधों में राहत पाने एवं अन्य छूट लेने के लिए अमेरिका पर दबाव बना सके।

ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस के सरकारी घर से मिला कोकीन

– ब्रिटिश पीएम चुनाव की पार्टी से कनेक्शन मचा बवाल

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस के पुराने सरकारी घर से कोकीन के संदिग्ध निशान मिले हैं। ये निशान चेवेनिंग एस्टेट के उस घर से मिले हैं जहां लिज ट्रस ने अपने राजनीतिक सहयोगियों के लिए पार्टी आयोजित की थी। यह संदिग्ध सफेद पदार्थ ट्रस के प्रधानमंत्री पद के लिए चुने जाने से चंद दिनों पहले बरामद हुआ था। उस समय लिज ट्रस ब्रिटेन के विदेश मंत्री थीं। एस्टेट स्टाफ का कहना है कि उन्होंने सफेद पाउडर का परीक्षण किया और इसमें कोकीन होने की पुष्टि हुई। ब्रिटेन के कानूनों के तहत कोकीन रखने पर सात साल की जेल और जुर्माना हो सकता है। इससे पहले बोरिस जॉनसन के प्रधानमंत्री रहते हुए भी सरकारी आवास से ऐसे ही संदिग्ध सफेद पाउडर को बरामद किया गया था।

एक रिपोर्ट में चेवेनिंग एस्टेट में काम करने वाले कर्मचारियों का हवाला दिया है। रिपोर्ट में कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें एस्टेट के स्नूकर टेबल वाले गेम रूम में साइड-टेबल पर सफेद पाउडर के निशान मिले। इसी जगह पर लिज ट्रस ने बतौर विदेश मंत्री अपने राजनीतिक मेहमानों के लिए पार्टी आयोजित की थी। ट्रस ने इस साल 19 से 21 अगस्त और 2 से 4 सितंबर को इसी घर पर कई हाईप्रोफाइल पार्टियों की मेजबानी की थी। इसमें टोरी पार्टी लीडरशिप चुनाव में ट्रस को समर्थन करने वाले कई राजनेता ब्यूरोकेट्स और दूसरे अन्य अधिकारी शामिल हुए थे। चेवनिंग एस्टेट 17वीं शताब्दी में बना एक ग्रेस एंड फेवर होम है। इसका स्वामित्व ब्रिटिश शाही परिवार के पास है। शाही परिवार सरकार इस घर को सरकारी अधिकारियों को पट्टे पर देती है जो आमतौर पर मुफ्त होता है। चेवनिंग एस्टेट परंपरागत रूप से ब्रिटेन के विदेश मंत्री को दी जाती है। यह 3000 एकड़ में फैला हुआ है जिसकी देखरेख ब्रिटिश संसद की बनाई एक ट्रस्ट करती है।

इस रिपोर्ट में किसी भी स्रोत ने यह नहीं बताया कि लिज ट्रस इस पदार्थ का सेवन करती थीं या उन्हें इसके बारे में जानकारी थी। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि यह सरकारी आवास तक कैसे पहुंचा। एक अंदरूनी सूत्र ने कहा कि व्हाइटहॉल और संसदीय एस्टेट में कोकीन का बड़े पैमाने पर खपत होता है और दावा किया कि ट्रस के कुछ राजनीतिक सहयोगियों ने इसका इस्तेमाल किया होगा। दावा है कि लिज ट्रस की किसी भी पार्टी में बोरिस जॉनसन शामिल नहीं हुए थे।

इमरान खान ने 23 दिसंबर को प्रांतीय विधानसभाएं भंग करने का किया ऐलान

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान ने शनिवार को बहुप्रतीक्षित घोषणा की कि पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा में उनकी पार्टी की सरकारें 23 दिसंबर को प्रांतीय विधानसभाएं भंग कर देंगी ताकि नए सिरे से चुनाव का मार्ग प्रशस्त हो सके। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष खान ने शनिवार शाम लाहौर स्थित अपने आवास से वीडियो लिंक के माध्यम से राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि केवल नए सिरे से चुनाव ही देश को आर्थिक संकट से बाहर निकाल सकते हैं। इस दौरान पंजाब और

खैबर-पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री भी खान के साथ थे। उन्होंने प्रांतीय विधानसभाओं को भंग करने की तारीख की घोषणा करते हुए कहा, ÷हम दिवालिया होने की ओर बढ़ रहे हैं और केवल नए सिरे से व निष्पक्ष चुनाव ही पाकिस्तान की आर्थिक समस्याओं का समाधान कर सकते हैं।÷

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार ने घोषणा की है कि अगस्त 2023 में सरकार का कार्यकाल पूरा करने के बाद अगला आम चुनाव होगा। खान ने कहा कि पीएमएल-एन गठबंधन सरकार देश भर में नए सिरे से चुनाव कराने के लिए सहमत हो या नहीं, उनकी घोषणा से यह सुनिश्चित होगा कि दोनों विधानसभाओं के भंग होने के बाद पाकिस्तान के 65 फीसदी हिस्से में चुनाव कराने पड़ेंगे।

जलवायु परिवर्तन की वजह से शताब्दी के अंत तक धरती पर मौजूद 10 में से एक प्रजाति नष्ट हो जाएगी

-जलवायु परिवर्तन के प्रभावों पर काम कर रहे वैज्ञानिकों ने दी चेतावनी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों पर काम कर रहे वैज्ञानिकों ने डराने वाली चेतावनी दी है। उन्होंने बताया है कि इस शताब्दी के अंत तक पृथ्वी पर मौजूद हर 10 में से एक प्रजाति विलुप्त हो सकती है। संयुक्त राष्ट्र जैव विविधता सम्मेलन के दौरान प्रस्तुत नए शोध में कहा गया है कि 21वीं सदी के अंत तक पृथ्वी अपनी प्रजातियों के दसवें भाग को खो सकती है। इस खतरनाक हालात से निपटने के लिए दुनियाभर के 3000 वैज्ञानिकों ने अपने-अपने देश की सरकारों से तुरंत कार्रवाई की मांग की है।

इस शोध में जैव विविधता पर द्वितीयक प्रभावों का अध्ययन भी किया गया है जो दूसरी प्रजातियों पर निर्भर रहते हैं।

शोधकर्ताओं ने रिसर्च के दौरान इस नतीजे को पाने के लिए एक सुपरकंप्यूटर की मदद से पृथ्वी का एक सिमुलेशन मॉडल बनाया। इस सिमुलेशन मॉडल को कृत्रिम प्रजातियों के साथ आभासी दुनिया में बदला गया। इसके बाद इन पर ग्लोबल वॉर्मिंग और जमीन के इस्तेमाल के प्रभाव को देखा गया। इस शोध में शामिल हेलसिंकी विश्वविद्यालय के डॉ जियोवन्नी स्ट्रोना ने कहा कि हमने एक आभासी दुनिया को पृथ्वी पर मौजूद जीवों से आबाद किया है। यह देखने में बिलकुल धरती पर पाए जाने वाले पर्यावरण की तरह था। फिर हमने ग्लोबल वॉर्मिंग और इंसानों के जमीन उपयोग करने के तरीकों को लागू किया।

उन्होंने बताया कि सिमुलेशन में हमने देखा कि सबसे ज्यादा खराब स्थिति में 27 फीसदी प्रजातियां मर सकती हैं। अगर प्रभाव मध्यम रहा तो 13 फीसदी जानवर और पौधे विलुप्त हो जाएंगे। वैज्ञानिकों ने बताया कि यह एक अद्वितीय अध्ययन है क्योंकि इसमें जैव विविधता पर द्वितीयक प्रभावों को ध्यान में रखा गया है जब एक प्रजाति के विलुप्त होने पर दूसरी प्रजाति अपने आप खत्म हो जाती है।

ऑस्ट्रेलिया में फ्लिंडर्स यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर कोरी ब्रैडशॉ ने कहा कि आप किसी

शिकारी प्रजाति के बारे में सोचें जो जलवायु परिवर्तन के कारण अपने शिकार को खो देती है। शिकार होने वाली प्रजाति का खत्म होना प्राथमिक विलोपन है क्योंकि उसका अंधाधुंध शिकार किया गया। अब उसका शिकार करने वाली प्रजाति के पास भी खाने के लिए कुछ नहीं बचेगा। इससे शिकारी भी विलुप्त हो जाएंगे। कल्पना कीजिए कि कोई परजीवी जंगलों की कटाई के कारण अपने आहार न पा सके या एक फूल वाला पौधा धरती के अधिक गर्म होने के कारण अपने परागणकों को खो दे तो क्या होगा। हर प्रजाति किसी न किसी तरह से दूसरी प्रजाति पर निर्भर है।

टीम इंडिया ने पहले टेस्ट में बांग्लादेश को 188 रनों से हराया सीरीज में 1-0 की बढ़त मिली

-कुलदीप बने प्लेयर ऑफ द मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्पिनर कुलदीप यादव के शानदार प्रदर्शन से टीम इंडिया ने अंतिम दिन मेजबान टीम बांग्लादेश को दूसरे पारी में 324 रनों पर समेट कर पहला क्रिकेट टेस्ट मैच 188 रनों से जीत लिया। इसी के साथ ही भारतीय टीम ने दो टेस्ट मैचों की इस सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में मेजबान बांग्लादेश टीम को जीत के लिए 513 रन का विशाल लक्ष्य मिला था जिसे हासिल करने में वह नाकाम रही। मैच के 5वें दिन बांग्लादेश ने दूसरी पारी में 6 विकेट पर 272 रन से आगे खेलना शुरू किया। मेजबान कप्तान शाकिब अल हसन ने 40 रनों से आगे खेलते हुए 84 रन बनाए पर वह शतक पूरा नहीं कर पाये। वहीं अन्य बल्लेबाज भी नाकाम रहे और पूरी टीम 113.2 ओवर में 324 रन ही बना पायी। इससे पहले चौथे दिन जाकिर हसन ने 100 जबकि नजमुल हुसैन शांतो ने 67 रन बनाकर टीम की हार टालने का पूरा प्रयास किया पर उनकी मेहनत बेकार गयी। इससे पहले भारतीय टीम ने पहली पारी में चेतेश्वर पुजारा और श्रेयस अय्यर की शानदार साझेदारी से 404 रन बनाए थे। वहीं कुलदीप और मोहम्मह सिराज की घातक गेंदबाजी के सामने बांग्लादेश टीम टिक नहीं पायी और 150 रनों पर ही आउट को गयी। इसके बाद भारतीय टीम ने फॉलोऑन ना देते हुए बांग्लादेश टीम को दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए बुलाया। मेजबान टीम ने दूसरी पारी दो विकेट पर 258 रन बनाकर घोषित कर दी। भारत की ओर से शुभमन गिल और चेतेश्वर पुजारा ने शतक लगाये। इसे मैच में स्पिनर कुलदीप ने करीब दो साल बाद टेस्ट में वापसी करते हुए शानदार गेंदबाजी और बल्लेबाजी। कुलदीप ने पहली पारी में 40 रन देकर 5 विकेट लिए। पहली पारी में कुलदीप ने 40 रन बनाकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाने में सहायता भी की। वहीं दूसरी पारी में कुलदीप को 3 विकेट लिए। इस तरह से कुलदीप ने मैच में कुल 8 विकेट लिए। यह उनका किसी टेस्ट मैच में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है। वहीं युवा स्पिनर अक्षर पटेल ने भी मैच में 5 विकेट लिए। अक्षर ने पहली पारी में एक जबकि दूसरी पारी में चार विकेट लिए। मैच में ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए कुलदीप को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप तालिका में तीसरे नंबर पर पहुंच गयी है। इस जीत के साथ ही इस साल टीम को विदेशी धरती पर पहली टेस्ट जीत भी मिली है।

कड़ी मेहनत से जीत मिली : राहुल

-हम अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पाये : शाकिब

चटगांव (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कार्यवाहक कप्तान लोकेश राहुल बांग्लादेश के खिलाफ रविवार को यहां पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में मिली 188 रनों की जीत से उत्साहित नजर आये। राहुल ने कहा कि टीम ने इस जीत के लिए कड़ी मेहनत की थी। टीम इंडिया ने पांचवे दिन मेजाबन बांग्लादेश के चार विकेट लेने के साथ ही मैच अपने नाम कर लिया।

राहुल ने कहा''यह बेहद कड़ा मैच था और हमने जीत के लिए काफी प्रयास किया था। मुझे खुशी है कि हम सफल रहे। '' उन्होंने कहा'' पिच सपाट थी पर हम इससे परेशान नहीं थे। ऐसा लग रहा था कि इस पिच पर बल्लेबाजी करना आसान है पर पहले तीन दिन रन बनाना आसान नहीं था। बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाजों ने भी यहां अच्छी बल्लेबाजी की पर हमने भी अपनी ओर से मेहमन में कोई कमी नहीं की।''राहुल ने कहा कि एकदिवसीय सीरीज हारने के बाद से ही टीम ने तय किया था कि वह जीत के लिए पूरे प्रयास करेगी। उन्होंने कहा'' हम पिछले कुछ समय से यहां हैं। एकदिवसीय सीरीज में हम वैसा प्रदर्शन नहीं कर पाए जैसा चाहते थे। हम जानते थे कि जीत दर्ज करना आसान नहीं है।'' भारतीय कप्तान ने इस मैच में बेहतर प्रदर्शन के लिए बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा शुभमन गिल श्रेयस अय्यर और ऋषभ पंत की प्रशंसा की। उन्होंने कहा'' हमने पहली पारी में अच्छी बल्लेबाजी की थी। श्रेयस और पुजारा ने अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई। यहां तक कि ऋषभ ने भी अच्छी पारी खेली। में शुभमन और पुजारा को लेकर खुश हूं जिन्होंने अवसर का पूरा लाभ उठाते हुए शतक लगाये।''

राहुल ने गेंदबाजों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा'' हमने जिस तरह से गेंदबाजी की उससे मैं वास्तव में खुश हूं। पिच से गेंदबाजों को खास सहायतन नहीं मिल रही थी पर इसके बावजूद उन्होंने विकेट लिए। उमेश यादव ने दो शानदार स्पेल किए और हमें मैच में वापसी दिलाई। उन्होंने दिखाया कि वे क्या करने में सक्षम हैं।'' वहीं दूसरी ओर हार के बाद बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन ने कहा कि पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी थी पर टीम ने पहली पारी में अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। शाकिब ने कहा'' यह बल्लेबाजी के लिए वास्तव में अच्छा विकेट था पर हम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये। हम पांच-छह महीने बाद खेल रहे थे। यह आदर्श स्थिति नहीं है लेकिन यह कोई बहाना नहीं होना चाहिए।'' उन्होंने कहा'' भारतीय गेंदबाजों को श्रेय जाता है। उन्होंने अपने जोड़ीदारों के साथ मिलकर अच्छी गेंदबाजी की और हम पर दबाव बनाया। हमें खेल के पांचों दिन अच्छी क्रिकेट खेलने चाहिए थी। हमें भारत के खिलाफ अनुकूल परिणाम हासिल करने के लिए चारों पारियों में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।''

भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंची

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम मेजबान बांग्लादेश के खिलाफ पहले ही क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत के साथ ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है। भारतीय टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 की जीत के साथ ही बढ़त हासिल कर ली है। इस बढ़त के बाद अब टीम इंडिया विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है। भारतीय टीम ने इस साल कुल 13 टेस्ट मैच खेलने के बाद 7 में जीत दर्ज की पर 4 में उसे हार झेलनी पड़ी। वहीं टीम इंडिया के दो मुकाबले ड्रॉ रहे। भारतीय टीम केइस समय विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका में 87 अंक हैं। उसकी जीत का प्रतिशत 55.77 है। अंक तलिका में इस समय ऑस्ट्रेलिया की टीम पहले स्थान पर थी। उसने अब तक भारत के बराबर 13 टेस्ट खेलने के बाद 9 में जीत हासिल किया है जबकि केवल 1 मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा है।

उसकी जीत का प्रतिशत 76.92 है और वह शीर्ष पर बनी हुई है। वहीं दक्षिण अफ्रीका की टीम ने अब तक 11 टेस्ट खेलने के बाद 6 में जीत जबकि 5 में हार का सामना किया है। टीम की जीत का फीसदी 54.55 है और वह टेबल पर तीसरे स्थान पर आ गयी है जबकि शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका दूसरे और भारतीय टीम चौथे स्थान पर थी।

प्रो कबड्डी लीग 2022: जयपुर के लिए 9 साल का इंतजार खत्म, फाइनल मैच में पुणे को हराकर दूसरी बार जीता खिताब

मुंबई (एजेंसी)। प्रो कबड्डी लीग के 9वें सीजन का फाइनल मैच मुंबई के NSCI SVP स्टेडियम में खेले में खेला गया। यह मुकाबला पहले सीजन की खिताबी चैम्पियन जयपुर पिंक पैंथर्स और पहली बार फाइनल तक पहुंचने वाली पुणेरी पलटन के बीच खेला गया। मैच के दौरान दोनो टीमों के बीच भिड़ंत देखने को मिली। इस मैच में जयपुर पैंथर्स की टीम के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया और लंबे समय तक पुणे पर बढ़त बनाये रखी। प्रो कबड्डी लीग 2022 के फाइनल मुकाबले में जयपुर पिंक पैंथर्स पटलन को 33-29 से हराकर खिताब जीता। जयपुर पिंक पैंथर्स के लिए यह दूसरा मौका है टीम ने ट्रॉफी अपने नाम किया है।

पहले हॉफ के बाद पैंथर्स ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पुणे पर 18-13 से बढ़त हासिल किया। जयपुर पिंक पैंथरर्स के लिए अर्जुन देशवाल ने पहली रेड की और उन्होंने बोनस हासिल किया। मैच की शुरुआत में पुणे ने बढ़त बनाई। जयपुर पिंक पैंथर्स भी रेडिंग और डिफेंस में अच्छा तालमेल दिखाया और स्कोर को बराबरी पर लेकर आए। दोनों ही टीमों ने लगातार पॉइंट्स हासिल करते हुए एक दूसरे को बिल्कुल भी आगे नहीं निकलने नहीं दिया।

दूसरे हाफ की पहली रेड में वी. अजीत कुमार ने मोहम्मद नबीबक्श को आउट किया। इसके जवाब में जयपुर के डिफेंस ने आदित्य शिंदे को आउट करते हुए पहली बार पुनेरी पलटन को ऑल-आउट किया। अर्जुन देशवाल ने पुणे के दो डिफेंडर्स को आउट करते हुए एक बार फिर दबाव उनके ऊपर डाल दिया। पुणे के ऊपर दूसरी बार लोना का खतरा आ गया था, लेकिन आदित्य शिंदे ने जयपुर के दो डिफेंडर्स को आउट कर दिया। जयपुर ने पुणे को अपने पास आने ही नहीं दिया और शानदार तरीके से अपनी लीड को बरकरार रखा।

30 मिनट के बाद स्कोर 25-21 से जयपुर पिंक पैंथर्स के पक्ष में था। टाइम आउट के बाद जयपुर ने पुणे को ऑल-आउट के करीब धकेल दिया। 35वें मिनट के बाद पुणे 6 पॉइंट्स से पीछे था। पुणे ने अर्जुन को सुपर टैकल करते हुए अंतर को कम किया और मैच में करीब आने का मौका बनाया। पुणे के रेडर्स निरंतरता के साथ प्रदर्शन करने में कामयाब नहीं हुए और इसी वजह से उनकी टीम काफी ज्यादा पिछड़ी रही। अंत में जयपुर ने संयम दिखाते हुए इस रोमांचक फाइनल मैच को जीत लिया।

सहवाग वॉन ने ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका मैच दो दिन में खत्म होने पर सवाल उठाये

गाबा। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच गाबा टेस्ट दो दिन में ही समाप्त होने से क्रिकेट विशेषज्ञ हैरान हैं और उन्होंने गाबा की पिच पर ही सवाल उठा दिये हैं। भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने भी पिच को लेकर नाराजगी व्यक्त की है। सहवाग ने ट्वीट किया 142 ओवर और 2 दिन भी नहीं चला ये टेस्ट। वहीं अगर ऐसा भारत में हुआ होता तो इसे टेस्ट क्रिकेट का अंत टेस्ट क्रिकेट को बर्बाद करने और न जाने क्या-क्या कहा जाता।

रोहित को दूसरे टेस्ट के लिए शामिल न करें : अजय जडेजा

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा ने कहा है कि कप्तान रोहित शर्मा को अभी बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए टीम में शामिल नहीं करना चाहिये। रोहित अंगूठे में चोट के कारण बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय से ही बाहर हो गये थे। अब उनके 22 दिसंबर से मीरपुर में खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट के लिए बांग्लादेश लौटने की संभावना है। उसी को देखते हुए जडेजा ने ये बात कही। जडेजा से पूछा गया कि शुभमन गिल और चैतेश्वर पुजारा के शतक जमाने के बाद भी रोहित की वापसी पर किये बाहर बैठना पड़ेगा। तब उन्होंने ये बात कही। जडेजा ने कहा रोहित को घर में बैठने के लिए बोले। साथ ही कहा कि जब किसी खिलाड़ी के हाथ में फ्रैक्चर हो जाता है तो वह लगभग 10 दिनों तक बल्ला नहीं पकड़ सकता। अगर वह खिलाड़ी ठीक भी हो जाता है तो वह अगले दिन टीम में शामिल नहीं किया जा सकता।.

जडेजा ने कहा फ्रैक्चर को पूरी तरह से ठीक होने में 1 से 15 दिन और लगते हैं। इसके साथ ही हमें अभी तक ये भी पता नहीं है कि चोट कितनी गहरी है। इसलिए मैं यह सुझाव दे रहा हूं। वहीं रोहित कर टीम में आते हैं तो शुभमन को दूसरे टेस्ट से बाहर बैठना पड़ सकता है।

एक ओवर में कम रन बनाने से हारे : हरमनप्रीत

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथा टी20 मैच हारने से निराश है। इसी के साथ ही पांच मैचों की टी20 सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम को 3-1 की अजेय बढ़त मिल गयी है। भारतीय टीम को इस मैच में केवल सात रनों के मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा। उसी को लेकर हरमनप्रीत ने कहा कि टीम अगर टीम ने एक ओवर में अच्छा स्कोर बनाया होता तो मैच का परिणाम कुछ और होता। हरमनप्रीत ने कहा कि हम पूरे मैच में जीत हासिल करने के काफी निकट थे। केवल एक मैच में रन नहीं बना पाने से हमें हार का सामना करना पड़ा। तीस गेंद में 46 रन की आक्रामक पारी खेलने वाली हरमनप्रीत ने कहा कि अगर मैं अंत तक खेल पाती तो परिणाम कुछ और होता। भारतीय महिला टीम को अंतिम तीन ओवर में जीत के लिए 41 रन चाहिए थे पर 18वें ओवर में टीम केवल 3 रन ही बना पायी। उन्होंने इसे टीम के लिए बड़ा नुकसानदेह करार देते हुए कहा कि 18वें ओवर में जब हमें सिर्फ तीन रन मिले तो इससे बड़ा अंतर पैदा हो गया।

वहीं गेंदबाजी नहीं करने के बारे में पूछे जाने पर हरमनप्रीत ने कहा कि मैं एशिया कप में चोटिल हो गई थी उससे वापसी कर रही हूं। अभी सिर्फ बल्लेबाजी करना चाहती हूं मैं निश्चित रूप से जल्द ही गेंदबाजी करूंगी। वहीं ऑस्ट्रेलिया की कार्यवाहक कप्तान तहलिया मैकग्रा ने कहा कि मुझे अंतिम समय में कप्तानी दी गयी थी पर टीम के लिए गर्व की बात है कि एक मैच बाकी रहते हमने श्रृंखला जीत ली। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया महिला टीम ने 188 जबकि भारतीय टीम ने 181 रन बनाये थे।

टी20 में श्रीलंका के खिलाफ कप्तानी कर सकते हैं हार्दिक पंड्या अभ्यास करते देख लगाई जा रही अटकलें

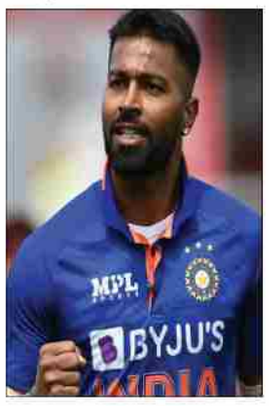

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम अभी बांग्लादेश दौरे पर है। पहला टेस्ट चटगांव में खेला जा रहा है। टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। वह अगली सीरीज के लिए एनसीए (नेशनल क्रिकेट अकादमी) में जमकर तैयारी कर रहे हैं। उनकी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 और वनडे सीरीज खेलेगी। इस सीरीज के लिए टीम घोषित नहीं हुई है। उम्मीद की जा रही है कि हार्दिक पंड्या को श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज में कप्तान बनाया जा सकता है। वह एनसीए में जमकर अभ्यास करते हुए नजर आए। हार्दिक पंड्या ने पिछले माह न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 मैचों की टी20 सीरीज में कप्तानी की थी। भारतीय टीम ने उस सीरीज में 1-0 से जीत दर्ज की थी।

पहला टी20 बारिश के कारण रद्द हो गया था जबकि दूसरे टी20 में भारत ने 65 रनों से जीत दर्ज की थी। तीसरा टी20 टाई हो गया था। टी20 विश्व कप में भारतीय टीम की हार के बाद रोहित शर्मा की कप्तानी पर कई तरह के सवाल उठने लगे थे। उसके बाद से ही हार्दिक पंड्या को टी20 टीम का नया कप्तान बनाने की बात चल रही है। अगले साल वनडे विश्व कप है ऐसे में रोहित शर्मा के हाथों में वनडे टीम की कप्तानी होगी। हार्दिक पंड्या टी20 क्रिकेट में कप्तानी की पहली पसंद इसलिए है क्योंकि उन्होंने अपनी कप्तानी में गुजरात टाइटंस को आईपीएल 2022 चैंपियन बनाया था। गुजरात टाइटंस ने अपने डेब्यू सीजन में ही कर दिया यह करनामा। हार्दिक पंड्या 2022 के आईपीएल में अपनी टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। फाइनल मुकाबले में उन्होंने 3 विकेट झटके थे और 34 रनों की पारी खेली थी।

फीफा विश्वकप : हार के बाद भी खुश हैं मोरक्को के प्रशंसक

बेरूत । मोरक्को को फीफा विश्वकप फुटबॉल में तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में क्रोएशिया के हाथों 2-1 से हार का सामना करना पड़ा। इससे उसके प्रशंसकों में निराशा छा गयी। वहीं दूसरी ओर क्रोएशियाई प्रशंसक उत्साहित दिखे। मोरक्को के प्रशंसकों में हार के बाद भी इस बात की खुशी थी कि टीम ने सेमीफाइनल में पहुंचकर रिकार्ड बनाया। मोरक्को विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली अफ्रीकी महाद्वीप और अरब देशों की पहली टीम है। प्रशंसकों को उम्मीद थी कि मोरक्को अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखकर जीत करेगी पर ऐसा हुआ नहीं। सेमीफाइनल में फ्रांस के हाथों उस हार का सामना करना पड़ा। प्रशंसकों को उम्मीद थी कि मोरक्को तीसरे स्थान के लिए हुए मैच में क्रोएशिया को हराने में सफल रहेगी पर उसका सपना टूट गया। क्रोएशिया से हार के बाद मोरक्को की राजधानी में प्रशंसक निराश थे पर उन्हें इस बात की खुशी थी कि उनकी टीम इतिहास रखने में सफल रही। रबात में एक प्रशंसक सोउकाइना मकोइ ने कहा ''वह हमारी नजर में अब भी चैंपियन है।''

भारत और ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पहले बुमराह ने नेटस पर बहाया पसीना

नई दिल्ली । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नए साल में होने वाली टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया के लिए एक अच्छी खबर आई है। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अपनी फिटनेस को वापस पाने के काफी करीब पहुंच गए हैं और नेट्स में गेंदबाजी कर रहे हैं। बुमराह को नेट्स में पसीने बहाते हुए देखा गया। जस्सी ने स्वयं अपने सोशल मीडिया अकाउंट के माध्यम से फैंस के साथ शेयर किया। बुमराह ने वीडियो के साथ कैप्शन में अंग्रेजी में लिखा फुल थ्रोटल भारत का यह तेज गेंदबाज यह बता रहा है कि अब उन्होंने पूरी क्षमता के साथ गेंदबाजी शुरू कर दी है। आगामी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने के लिहाज से टीम इंडिया के लिए जसप्रीत बुमराह का फिट होना काफी अहम है। भारत को चैंपियनशिप के खिताबी मैच में जगह बनाने के लिए हर हाल में कंगारुओं को कम से कम 3-1 से हराना होगा। इससे पहले बांग्लादेश की टीम पर दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-0 से जीत दर्ज करना भी भारतीय टीम के लिए अनवार्य है। चोट के चलते जसप्रीत बुमराह एशिया कप 2022 से बाहर हो गए थे।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका को हराया, दो दिन में खत्म हुआ मैच

ब्रिसबेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों ने दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजी को दूसरी पारी में भी ध्वस्त करते हुए पहले क्रिकेट टेस्ट के दूसरे ही दिन रविवार को यहां छह विकेट की जीत के साथ तीन मैच की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बनाई। मैच में ऑस्ट्रेलिया की जीत के दौरान दो दिन में 34 विकेट गिरे।

गाबा में तेज गेंदबाजों की अनूकुल घास से भरी पिच पर दूसरे दिन भी विकेटों का पतझड़ लगा रहा। दूसरे दिन लंच से पूर्व ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 218 रन पर सिमट गई जिससे टीम ने 66 रन की बढ़त हासिल की। दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी भी सिर्फ 99 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया को 34 रन का लक्ष्य मिला जो उसने चार विकेट पर 35 रन बनाकर हासिल कर लिया। मार्नस लाबुशेन (नाबाद 05) और कैमरन ग्रीन (नाबाद 00) की मौजूदगी में ऑस्ट्रेलिया ने आठवें ओवर की अंतिम गेंद पर लक्ष्य हासिल किया।

दक्षिण अफ्रीका की ओर से दूसरी पारी में चारों विकेट कागिसो रबादा (13 रन पर चार विकेट) ने हासिल किए। पहली पारी में भी रबादा ने 76 रन देकर चार विकेट चटकाए। उन्हें मार्को जेनसन (32 रन पर तीन विकेट) का अच्छा साथ मिला। जेनसन ने सुबह के सत्र में ग्रीन (18) को स्लिप में सारेल इर्वी के हाथों कैच कराया। तीन गेंद बाद जेनसन ने ट्रेविस हेड (92) को विकेटकीपर काइल वेरेन के हाथों कैच कराया। हेड ने 96 गेंद की अपनी पारी में 13 चौके और एक छक्का मारा। लुंगी एनगिडी (35 रन पर एक विकेट) ने मिशेल स्टार्क (14) को अपनी ही गेंद पर लपका जिसके बाद रबादा ने कप्तान पैट कमिंस और नाथन लियोन को खाता खोले बिना पवेलियन भेजकर ऑस्ट्रेलिया की पारी का अंत किया।

लंच से पहले के 20 मिनट का मेजबान टीम के गेंदबाजों ने पूरा फायदा उठाया। कमिंस ने दूसरे ओवर में डीन एल्गर (02) को पगबाधा किया जिसके बाद स्टार्क (26 रन पर दो विकेट) ने रेसी वान डेर डुसेन (00) को बोल्ड करके ऑस्ट्रेलिया का स्कोर दो विकेट पर तीन रन किया। यह स्टार्क का 300वां टेस्ट विकेट था। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले सातवें ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज हैं।

लंच के बाद खाया जोंडो (नाबाद 36) और तेम्बा बावुमा (29) ने कुछ देर विकेटों के पतन पर विराम लगाया लेकिन लियोन ने बावुमा को पगबाधा करके इस साझेदारी को तोड़ा जिसके बाद टीम ने सिर्फ 22 रन पर बाकी बचे छह विकेट गंवा दिए। स्कॉट बोलैंड (14 रन पर दो विकेट) ने अगले ओवर में काइल वेरेन और मार्को जेनसन को पवेलियन भेजा जबकि केशव महाराज (16) को स्टार्क ने आउट किया। कमिंस (42 रन पर पांच विकेट) ने अंतिम तीन विकेट हासिल करके आठवीं बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट चटकाने का कारनामा किया।

हम पूर्वोत्तर में 'विवादों के बॉर्डर' नहीं, विकास का कॉरिडोर बना रहे : पीएम मोदी

शिलॉग, 18 दिसम्बर (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार सुबह मेघालय के शिलांग में पूर्वोत्तर परिषद के स्वर्ण जयंती समारोह में शिरकत की। कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजीजू, केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल और जी किशन रेड्डी, पूर्वोत्तर के सभी राज्यों के राज्यपाल और मुख्यमंत्रियों समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। वहीं शिलांग में अपने संबोधन में पीएम मोदी कतर में फीफा वर्ल्ड कप फाइनल का जिक्र करते हुए कहा कि आज एक संयोग ऐसा बना है कि जब फुटबॉल विश्व कप का फाइनल खेला जाना है, मैं फुटबॉल मैदान में ही आपसे संवाद कर रहा हूं।

उन्होंने कहा कि जब फुटबॉल का बुखार हम सभी को जकड़ रहा है, तो मैं फुटबॉल की शब्दावली में ही आपसे बात क्यों न करूं? फुटबॉल के खेल में जब कोई खिलाड़ी खेल भावना के खिलाफ जाता है, तो उसे रेड कार्ड दिखाया जाता है और मैदान से बाहर भेज दिया जाता है। इसी तरह, पिछले 8 वर्षों में हमने पूर्वोत्तर के विकास में कई बाधाओं को रेड कार्ड दिखाया है। भ्रष्टाचार, भाई भतीजावाद को खत्म करने का काम किया है। हमारे लिए विकास सिर्फ शिलान्यास तक सीमित नहीं रहता, जैसे पहले सिर्फ फीते कटते थे और फोटो खींची थी। काम नहीं होता था, हम शिलान्यास भी करते हैं और लोकार्पण भी करते हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि पूर्वोत्तर में प्रदान की गई बेहतर हवाई सेवा कृषि उपज के निर्यात में मदद कर रही, जिससे किसानों को फायदा हो रहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि राजग सरकार भ्रष्टाचार, भेदभाव, हिंसा, वोट बैंक की राजनीति को खत्म करने के लिए गंभीर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि पहले पूर्वोत्तर को बांटने की कोशिश की जा रही थी, लेकिन अब हम इस तरह के प्रयासों को रोक रहे हैं।

नॉर्थ ईस्टर्न काउंसिल की गोल्डन जुबली समारोह में पीएम मोदी के सामने परिषद की 50 वर्षों की यात्रा पर एक लघु फिल्म की स्क्रीनिंग की गई। इस मौके पर पीएम मोदी ने बीते 50 वर्षों में पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास में एनईसी के योगदान को उल्लेखित करने वाला स्मारक ग्रंथ गोल्डन फुटप्रिंट्स जारी किया। राज्य में 2,450 करोड़ रुपए से अधिक की कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने यहां 4 सड़क परियोजनाओं की आधारशिला रखी, जो मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश से होकर गुजरेंगी।

मेघालय में टेलीकॉम कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाने के लिए राज्य को 4जी टावर समर्पित किए, जिनमें से 320 से अधिक का काम पूरा हो गया है और करीब 890 निर्माणाधीन है। पीएम ने उमसावली में भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) शिलांग का उद्घाटन किया। शिलांग के मशरूम विकास केंद्र में एक स्पॉन प्रयोगशाला और एक एकीकृत मधुमक्खी पालन विकास केंद्र का भी उद्घाटन किया। इसके अलावा, मिजोरम, मणिपुर, त्रिपुरा और असम में 21 हिन्दी पुस्तकालयों का भी उद्घाटन उन्होंने शिलांग से ही किया। शिलांग टेक्नोलॉजी पार्क के फेज 2 की आधारशिला भी रखी।

हिमाचल में अंदरूनी कलह नहीं थी वरना राजस्थान जैसी स्थिति होगी : सीएम सुक्खू

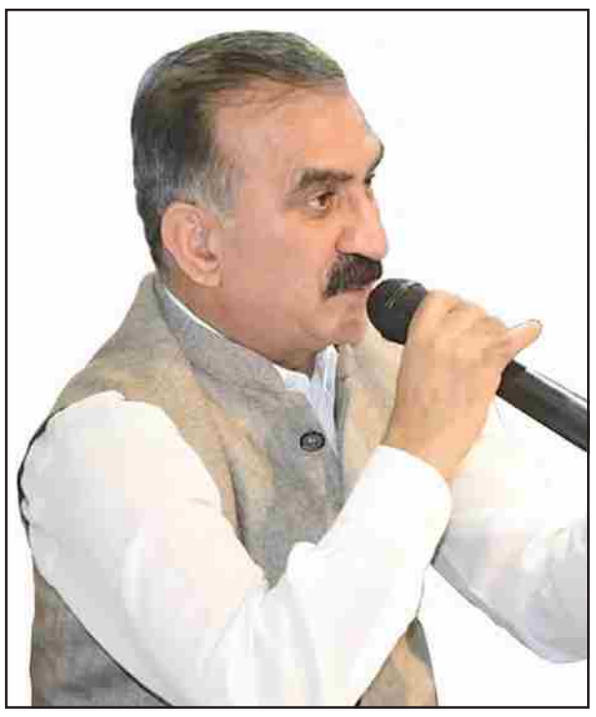

शिमला, 18 दिसम्बर (एजेन्सी)। हिमाचल के नवनियुक्त मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि कांग्रेस की प्रदेश यूनिट में कोई अंतर्कलह नहीं है। उन्होंने कहा कि केवल मुख्यमंत्री पद के लिए होड़ थी, क्योंकि तीन-चार दावेदार थे। उन्होंने कहा कि अगर कुछ गलत होता, तो राजस्थान जैसी स्थिति हो जाती। उन्होंने कहा कि राज्य में कांग्रेस का कोई भी विधायक बीजेपी में शामिल नहीं होगा और पार्टी की सरकार लोगों के वास्ते काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार मंत्रिमंडल की पहली बैठक में सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने के वादे को पूरा करेगी।

सुक्खू ने एक इंटरव्यू में कहा, हमने वित्त सचिव से बात की है। एक रणनीति के तहत हम जानते हैं कि हमें कहां से धन का सृजन करना है और हमें कहां निवेश करना है। हमने पुरानी पेंशन योजना शुरू करने पर काम किया है और हम इसे कैबिनेट की पहली बैठक में पेश करेंगे।

अपने मंत्रिमंडल के विस्तार के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने कहा कि यह जल्द ही होगा। उन्होंने कुछ विधायकों द्वारा मंत्री पद के लिए लामबंदी किये जाने संबंधी खबरों का खंडन किया। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस ने विधानसभा की 68 में से 40 सीट पर जीत दर्ज की है। पार्टी ने सुक्खू (58) को मुख्यमंत्री नियुक्त किया। मुख्यमंत्री पद की दौड़ में पार्टी की राज्य इकाई की अध्यक्ष प्रतिभा सिंह और मुकेश अग्निहोत्री समेत कुछ अन्य दावेदार भी शामिल थे।

हमीरपुर जिले के नदौन से चार बार के विधायक सुक्खू ने 11 दिसंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। अग्निहोत्री ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस की प्रदेश इकाई में अंदरूनी कलह की खबरों को खारिज किया, लेकिन स्वीकार किया कि मुख्यमंत्री पद के लिए होड़ थी।

सुक्खू ने कहा, होड़ मुख्यमंत्री पद के लिए थी, पार्टी के भीतर कलह नहीं है। तीन-चार लोग मुख्यमंत्री बनना चाहते थे। आप देख सकते हैं कि अब तक हमने कैबिनेट विस्तार नहीं किया है। अगर कुछ गलत होता तो राजस्थान जैसी स्थिति हो जाती।

राजस्थान में अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार को 2020 में उपमुख्यमंत्री और पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष सचिन पायलट के विद्रोह का सामना करना पड़ा था। हालांकि, कांग्रेस ने तब स्थिति को शांत करने में कामयाबी हासिल की थी, लेकिन तब से दोनों गुटों में तनातनी चल रही है।

सुक्खू ने विपक्षी दल बीजेपी पर इन खबरों को लेकर भी निशाना साधा कि कांग्रेस के कुछ विधायक उससे हाथ मिला सकते हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस का कोई सदस्य पार्टी नहीं छोड़ेगा। उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों ने भाजपा के कुशासन के खिलाफ मतदान किया है। उन्होंने कहा कि देश बेरोजगारी और महंगाई जैसे विभिन्न मुद्दों का सामना कर रहा है, लेकिन बीजेपी राहुल गांधी के भाषण का मजाक बनाने सहित विभिन्न हथकंडों का इस्तेमाल कर लोगों का ध्यान मुख्य मुद्दे से भटकाने की कोशिश कर रही है।

हिमाचल सीएम ने राहुल गांधी के नेतृत्व में पार्टी की भारत जोड़ो यात्रा की सराहना की और कहा कि पैदल मार्च का उद्देश्य लोगों को एकजुट करना और धर्म और जाति के नाम पर समाज में फैलाई जा रही नफरत को दूर करना है। सुक्खू ने पार्टी की जीत के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को श्रेय दिया और प्रभावी प्रचार रणनीति तैयार करने के लिए पार्टी नेता प्रियंका गांधी वाड्रा की भी प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार लोगों के कल्याण के वास्ते काम करने के लिए प्रतिबद्ध है और विधानसभा चुनाव में लोगों से किए गए 10 वादों को पूरा करेगी।

बीएसएफ और बांग्लादेश बॉर्डर गार्ड ने मनाया विजय दिवस

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर (एजेन्सी)। 1971 भारत-पाकिस्तान युद्ध में मिली जीत को लेकर विजय दिवस मनाया जा रहा है। इस युद्ध में बांग्लादेश की मुक्ति वाहिनी को भारत की सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने प्रशिक्षण और सहयोग प्रदान किया था। इसी की याद में आज बीएसएफ और बांग्लादेश बॉर्डर गार्ड के बीच सीमा पर मिलन समारोह आयोजित किया गया।

इसमें बीएसएफ और मुक्ति वाहिनी के स्वतंत्रता सेनानियों ने भी हिस्सा लिया। बीएसएफ ने बताया कि विजय दिवस के मौके पर दक्षिण बंगाल की भारत-बांग्लादेश सीमा पर बॉर्डर गार्डस बांग्लादेश ने बॉर्डर पिलर 147एम के पास एक मिलन समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुक्ति वाहिनी और बीएसएफ के स्वतंत्रता सेनानियों ने भाग लिया और 1971 के युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

जानकारी के मुताबिक, दोनों तरफ के सैनकों ने स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान किया और एक दूसरे को विजय दिवस को लेकर शुभकामनाएं दी। बीएसएफ ने बताया कि विजय दिवस के मौके पर अक्सर इस तरह के कार्यक्रम भारत-बांग्लादेश सीमा पर आयोजित किए जाते हैं, ताकि युद्ध में शहीद हुए जवानों को याद कर श्रद्धांजलि दी जा सके।

गौरतलब है कि 1971 में पाकिस्तानी सेना ने भारत के सामने समर्पण किया था, जिसके बाद 13 दिन तक चला युद्ध समाप्त हुआ और साथ ही जन्म हुआ बांग्लादेश का। भारत के सीमा सुरक्षा बल ने बांग्लादेश की मुक्ति वाहिनी के प्रशिक्षण और दुश्मन ताकतों से लड़ने में बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

'आखिरी छोर नहीं हैं हमारे बॉर्डर एरिया', पीएम नरेंद्र मोदी ने की चीन को चेतावनी

शिलॉग, 18 दिसम्बर (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को मेघालय पहुंचे। यहां उन्होंने कई परियोजनाओं की सौगात दी। पीएम मोदी ने अपने संबोधन के दौरान चीन का बिना नाम लिए चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा कि हमारे लिए नॉर्थ ईस्ट हमारे बॉर्डर एरिया, आखिरी छोर नहीं बल्कि सुरक्षा और समृद्धि का गेटवे हैं। राष्ट्र की सुरक्षा भी यहीं से सुनिश्चित होती है और दूसरे देशों से व्यापार भी यहीं से होती है।

इस दौरान पीएम मोदी ने विपक्ष पर भी निशाना साधा और उनपर सीमावर्ती गांवों को पीछे करने का आरोप लगाया। पीएम मोदी ने कहा, फुटबॉल में अगर कोई खिलाड़ी खेल भावना से नहीं खेलता तो उसे रेड कार्ड दिखाकर बाहर कर दिया जाता है। ऐसे ही पिछले 8 वर्षों में हमने नॉर्थ ईस्ट के विकास के रास्ते में अनेक रुकावटों को रेड कार्ड दिखा दिया।

पीएम मोदी ने कहा कि खेलों को लेकर हमारी सरकार नई नीति लेकर आई है। हमारी प्राथमिकताओं, संकल्पों और कार्य संस्कृति में बदलाव आया है। कनेक्टिविटी से विकसित भारत का इरादा है। सबके प्रयास से भारत के विकास का हमारा संकल्प है। प्राथमिकता अभाव को दूर करने की है। दूरियों को कम करने की है। युवाओं को अधिक अवसर देने की है। पीएम ने कहा कि 2014 से पहले फीते काटने वाले पूर्वोत्तर आते आते थे।

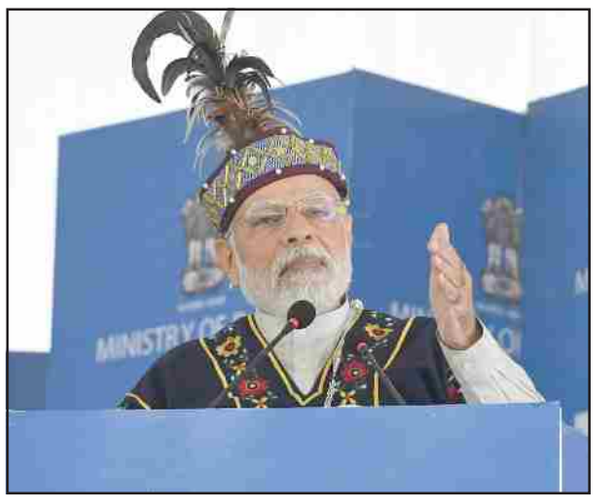

क्षेत्र के आठ राज्यों को 'अष्ट लक्ष्मी' बताते हुए उन्होंने कहा कि सरकार को पूर्वोत्तर के विकास के लिए आठ नींव स्तंभ पर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ये आठ 'नींव स्तंभ' शांति, ऊर्जा, पर्यटन, 5जी कनेक्टिविटी, संस्कृति, प्राकृतिक खेती, खेल और सामर्थ्य है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, पूर्वोत्तर, दक्षिण-पूर्व एशिया का प्रवेश द्वार है और यह पूरे क्षेत्र के विकास का केंद्र बन सकता है। क्षेत्र की इस क्षमता का लाभ उठाने के लिए भारत-म्यांमा-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग और अगरतला-अखौरा रेल जैसी परियोजनाओं पर काम हो रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कई शांति समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए, अंतर-राज्यीय सीमा समझौते किए गए और चरमपंथ की घटनाओं में कमी आई है।

उन्होंने कहा कि पिछले आठ वर्ष में क्षेत्र में हवाई अड्डों की संख्या नौ से बढ़कर 16 हो गयी है और उड़ानों की संख्या बढ़कर लगभग 1,900 हो गयी है जो 2014 से पहले लगभग 900 थी। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के कई राज्य रेलवे के मानचित्र पर आए हैं और जलमार्गों के विस्तार के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

मोदी ने कहा कि क्षेत्र में 2014 के बाद से राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई 50 फीसदी तक बढ़ायी गयी है। उन्होंने पनबिजली और पर्यटन क्षेत्रों की संभावना पर भी बात की। एनईसी पूर्वोत्तर क्षेत्र के आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिए नोडल एजेंसी हैं। इस क्षेत्र में आठ राज्य अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा शामिल हैं। पूर्वोत्तर परिषद का गठन संसद के एक कानून के जरिए 1971 में किया गया था। हालांकि, इसका औपचारिक उद्घाटन सात नवंबर, 1972 को किया गया था।

कतर में फीफा विश्व कप के फाइनल मुकाबले से पहले मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार ने पूर्वोत्तर के विकास की राह में आई कई बाधाओं को 'रेड कार्ड' दिखाया है। प्रधानमंत्री ने अपने 26 मिनट के भाषण में कहा, भ्रष्टाचार, भेदभाव, हिंसा और वोटबैंक की राजनीति जैसी बाधाओं को हटाया गया। पीएम मोदी ने कहा, पहले पूर्वोत्तर को बांटने के प्रयास किए गए लेकिन अब हम इस तरह के प्रयासों को रोक रहे हैं।

एससी-एसटी आरक्षण अध्यादेश की जगह लेने के लिए विधेयक विस में पेश किया जाएगा: मुख्यमंत्री बोम्मई

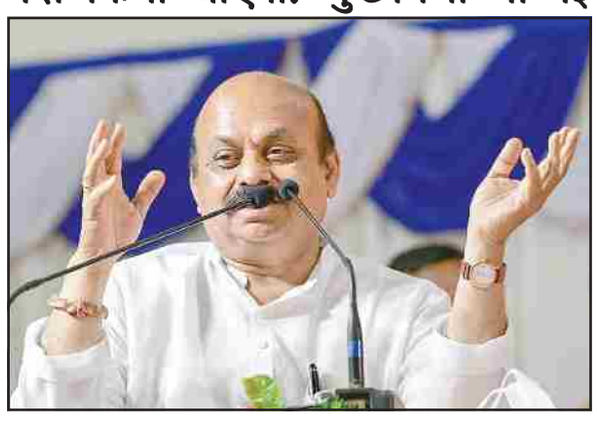

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर (एजेन्सी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने रविवार को कहा कि अनुसूचित जाति (एससी) एवं अनुसूचित जनजाति (एसटी) आरक्षण अध्यादेश का स्थान लेने के लिए एक विधेयक को सोमवार से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र में पेश किया जाएगा। बोम्मई ने कहा कि बेलगावी के सवर्ण विधान सौद में होने वाले विधानसभा सत्र में अन्य विधेयक भी पेश किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा कि सत्र के दौरान उत्तरी कर्नाटक से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी।

राज्य सरकार ने पहले अध्यादेश के जरिए अनुसूचित जाति के लिए आरक्षण 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 17 फीसदी और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण तीन प्रतिशत से बढ़ाकर सात फीसदी कर दिया था। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने इस अध्यादेश को मंजूरी दे दी थी। अब, राज्य सरकार अपने फैसले को अधिक वैधता देने के लिए विधेयक पेश करना चाहती है। मंगलुरु कुकर विस्फोट को लेकर विधानसभा में विपक्ष के नेता सिद्धरमैया द्वारा दिए गए बयान के संबंध में बोम्मई ने कहा कि विपक्ष के नेता को कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी के शिवकुमार के बयान को पढ़ना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा, वे (कांग्रेस नेता) बहुत स्पष्ट रूप से कहते रहे हैं कि प्रेशर कुकर विस्फोट महज एक दुर्घटना थी। मैं सिद्धरमैया से कहना चाहता हूं कि उन्हें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी के शिवकुमार का पूरा बयान पढ़ना चाहिए और फिर इस तरह से प्रतिक्रिया दें जो उनकी गरिमा के अनुरूप हो। बेलगावी में सीमा विवाद पर महाराष्ट्र एकीकरण समिति (एमईएस) के आंदोलन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि संगठन पिछले 50 वर्षों से इस तरह की चीजों में शामिल है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जानती है कि समूह को कैसे नियंत्रित करना है और वह वही कर रही है। एमईएस मराठी भाषा बेलगावी का महाराष्ट्र में विलय करने के लिए आंदोलन चलाने वाला एक दबाव समूह है।

देश को सुधारने के लिए भगवान ने आम आदमी पार्टी को चुना, 2027 में गुजरात में बनाएंगे सरकार: केजरीवाल

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर (एजेन्सी)। 'आप' की राष्ट्रीय परिषद की बैठक में सीएम अरविंद केजरीवाल ने कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि देश को सुधारने के लिए भगवान ने आम आदमी पार्टी को चुना है। हमारा विजन पार्टी नहीं, देश है। दिल्ली सीएम ने दावा किया कि 2027 में गुजरात में हमारी सरकार बनेगी। केजरीवाल ने कार्यकर्ताओं से कहा कि आप इकलौती पार्टी है, जो 10 सालों में नेशनल पार्टी बन गई है।

केजरीवाल ने अपने भाषण में बीजेपी पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि, केंद्र की मोदी सरकार ने देश को लोगों की हालत इतनी बदतर कर दी है कि बड़े-बड़े उद्योगपति देश छोड़कर जा रहे हैं।पिछले 5 से 7 साल में 12.5 लाख लोग भारत छोड़कर जा चुके हैं। ये सरकार किसी को भी काम करने नहीं देती है। अगर कोई ईमानदारी से काम करता है तो उसके पीछे ईडी और सीबीआई छोड़ देती है। सभी चोरों को अपनी पार्टी में लेकर ईमानदारी से काम करने वाले को देश छोड़ने के लिए मजबूर करती है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली ने दिखा दिया कि बेरोजगारी और महंगाई का समाधान हो सकता है लेकिन इसके पीछे अच्छी नियत होनी चाहिए। उन्होंने कहा लोग मुझसे पूछते हैं कि आम आदमी पार्टी का विजन क्या है? केजरीवाल ने कहा कि मेरे पास आम आदमी और पार्टी के लिए कोई विजन नहीं है, लेकिन देश के लिए कई विजन हैं। भारत 130 करोड़ लोगों का परिवार है। देश में धर्म के नाम पर हिंसा नहीं होनी चाहिए। अगर सभी धर्म मिलकर काम नहीं करेंगे तो देश तरक्की नहीं करेगा, जो पार्टी देश के टुकड़े-टुकड़े करना चाहती है, वह देश को पीछे ले जाना चाहती है।

पार्टी की राष्ट्रीय परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि सीमा पर चीनी आक्रामकता बढ़ रही है, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार कहती है, 'सब कुछ ठीक है।' उन्होंने आरोप लगाया कि चीन को 'सज़ा देने' के बजाय, मोदी सरकार इस पड़ोसी देश से बड़ी मात्रा में आयात की अनुमति देकर 'बीजिंग को इनाम' दे रही है, जबकि भारतीय सैनिक चीनी सैनिकों का डटकर मुकाबला कर रहे हैं और अपनी जान तक दे देते हैं। अगर भारत ने आयात बंद कर दिया तो चीन को औकात पता चल जाएगी।

केजरीवाल ने बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि जनता को राहत देने का उसका कोई इरादा नहीं है। उन्होंने दावा किया, 'लोग केंद्र में भाजपा सरकार में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी से तंग आ चुके हैं। दिल्ली में 'आप' सरकार ने दिखाया है कि मुद्रास्फीति को नियंत्रित किया जा सकता है और नौकरियां पैदा की जा सकती हैं। दिल्ली की मुद्रास्फीति भारत में सबसे कम 4.7 प्रतिशत है।'

डियर साप्ताहिक लॉटरी
कूचबिहार निवासी ने
₹ 1 करोड़ जीते

सहनूर मोहम्मद ने 08.11.2022 को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नंबर 7 1 G 64991 है। उन्होंने नागालैंड स्टेट लॉटरीज के पास प्राइज क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार विजेता टिकट जमा कर दी है। "डियर लॉटरी अपनी करोड़पतियों की बढ़ती सूची के कारण हरेक के द्वारा काफी प्रशंसनीय है। डियर लॉटरी के माध्यम से केवल कुछ रुपए खर्च करके ही करोड़पति बनना संभव है। इस आश्चर्यजनक अवसर के लिए मैं डियर लॉटरी तथा नागालैंड स्टेट लॉटरीज को धन्यवाद देना चाहता हूं।" विजेता ने कहा।
कूचबिहार, पश्चिम बंगाल के श्री

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रक: नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com